दीप कमल

जून 2025 , ₹ 10.00

विकसित भारत का अमृत काल

सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के

11 साल

सादर पुण्य स्मरण

दीप कमल

वर्ष-21, अंक-6, जून 2025

संपादक
पंकज कुमार झा

प्रबंध संपादक
हेमंत पाणिग्रही

मुद्रक एवं प्रकाशक
किरण देव द्वारा, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ के लिए, विश्व परिवार से मुद्रित एवं कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, बोरियाकला, रायपुर से प्रकाशित।

पत्रिका दीप कमल के इस अंक का पीडीएफ प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्केन करें।

www.deepkamal.online

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

mydeepkamal@gmail.com
0771-2233500, 2233511
92016-33511

सोशल मीडिया से

Narendra Modi
Jun 6

The Tricolour flies high over the Chenab Rail Bridge!

It's a feeling of immense pride that this bridge seamlessly blends ambition with execution, reflecting India's growing capability to build futuristic infrastructure in the most challenging terrains.

J.P.Nadda
Jun 2

"हर हाथ में तिरंगा - हर दिल में राष्ट्रप्रेम"

आज वीरभूमि हिमाचल प्रदेश के सोलन में आयोजित 'तिरंगा यात्रा' में सहभागिता कर बड़ी संख्या में उपस्थित स्थानीय नागरिकजनों के साथ भारतीय सेना के वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री Narendra Modi जी के नेतृत्व में #OperationSindoor में भारत के वीर जवानों की शौर्य की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुँचाने हेतु देश भर में #TirangaYatra निकाली जा रही है। तिरंगा देश को जोड़ने के साथ हमें राष्ट्रसेवा के लिए खुद को समर्पित करने हेतु प्रेरित करता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर सभी हिमाचलवासियों की ओर से भारतीय सेना और प्रधानमंत्री जी का हृदय से अभिनंदन करता हूँ।

Amit Shah
Jun 7

हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी।

इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूँ और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूँगा।

मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है।

Vishnu Deo Sai
Jun 6

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का नेतृत्व, नए भारत के सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

हमारा यह देश भाग्यशाली है कि उसकी बागडोर माननीय मोदी जी जैसे दूरदर्शी नेता के हाथों में है, जिन्होंने अनेकों बार वैश्विक मंच पर मां भारती का गौरव बढ़ाया है। आपके कार्यकाल में, देश प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन और प्रगति का साक्षी बना है।

दिल्ली प्रवास के दौरान आज यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से आत्मीय भेंट कर उन्हें केंद्र सरकार के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएँ दी।

इस मुलाकात के दौरान हुई चर्चा में माननीय प्रधानमंत्री जी को अवगत कराया कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ में उनके द्वारा दी गई हर गारंटी को पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा कर रही है, जिनके सकारात्मक परिणाम माननीय प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप धरातल पर स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी को नक्सलवाद के विरुद्ध जारी कार्रवाई, रणनीति व हमारे सुरक्षाबलों को मिल रही सफलता के संबंध में जानकारी दी। उन्हें अवगत कराया कि बस्तर में शांति और सुरक्षा स्थापित हो रही है और विकास के नए द्वार खुल रहे हैं।

Bjp Chhattisgarh
Reels · 1d

23 वर्षों में साइप्रस की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री श्री Narendra Modi जी को साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस-तृतीय' से सम्मानित किया।

Kiran Singh Deo
Jun 3

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में केंद्र में भाजपा सरकार के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने पर आज रायपुर स्थित भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित "विकसित भारत का अमृत काल, सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल' कार्यक्रम में माननीय प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन साय जी के साथ सम्मिलित हुआ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इन 11 वर्षों में देश को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। विकास, सुशासन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह एक स्वर्णिम यात्रा रही है, जो निरंतर जारी है।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शिवरतन शर्मा जी, प्रदेश महामंत्री एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव जी, प्रदेश महामंत्री एवं धमतरी महापौर श्री रामू रोहरा जी, प्रदेश महामंत्री श्री रामजी भारती जी सहित अन्य पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण, कार्यकर्ता साथी एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

पुनरोत्थान के 11 वर्ष

भगीरथ प्रयत्न जैसा ही अब 'मोदी संकल्प' जाना जाएगा

अगर हम छत्तीसगढ़ की ही बात करें, तो मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव सायजी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की सारी ऐतिहासिक उपलब्धियां भी – जैसा कि मुख्यमंत्री श्री साय ने इससे संबंधित प्रेस वार्ता में कहा भी – वास्तव में मोदीजी की उपलब्धियों का ही विस्तार है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश में भाजपा को जनादेश ही 'मोदी गारंटी' के आधार पर मिला था। इसी गारंटी के आधार पर प्रदेश ने भाजपा को जनादेश दिया, और सहज-सरल, योग्य मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उन तमाम बड़ी गारंटियों को पूरा करने में देर नहीं किया।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने अपने कार्यकाल के शानदार 11 वर्ष पूरे किए हैं। वास्तव में यह अवधि भारत के सर्वांगीण उत्थान हेतु लिए गए 'भगीरथ संकल्प' के सिद्ध होने जैसा रहा है। हम सभी जानते हैं कि भगवान श्रीराम के वंशज, राजा दिलीप के पुत्र भगीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति हेतु गंगाजी को पृथ्वी पर लाने असंभव सा संकल्प लिया था। फिर उस संकल्प की सिद्धि हेतु जैसे प्रयत्न किए उन्होंने, वह अब सुनहरे अक्षरों में अंकित है। ऐसा प्रयत्न कि 'भगीरथ प्रयत्न', शब्द ही आज प्रयत्न का सर्वोच्च प्रतिमान बन गया है। इसी तरह भारत का विकास,सुशासन और समृद्धि के असंभव से लगते सपनों को साकार करने मोदीजी ने जो संकल्प लिए, उससे भविष्य में 'मोदी संकल्प' एक नया मुहावरा बन जाएगा। भारत जैसे विविधता से सराबोर और चुनौतियों से भरे देश में एकता और समृद्धि की राहें आसान तो बिलकुल नहीं थी। ऊपर से यूपीए सराकर का दस वर्ष वास्तव में एक

दुःस्वप्न की तरह ही था। सर्वथा नैराश्य के वातावरण से उबर कर देश का विश्व में एक शक्तिशाली राष्ट्र के तौर पर रूपान्तरण, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना देना वास्तव में एक चमत्कार जैसा ही लगता है।

अगर हम छत्तीसगढ़ की ही बात करें, तो मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव सायजी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की सारी ऐतिहासिक उपलब्धियां भी – जैसा कि मुख्यमंत्री श्री साय ने इससे संबन्धित प्रेस वार्ता में कहा भी – वास्तव में मोदीजी की उपलब्धियों का ही विस्तार है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश में भाजपा को जनादेश ही 'मोदी गारंटी' के आधार पर मिला था। इसी गारंटी के आधार पर भाजपा को पुनः सेवा का अवसर मिला और सहज-सरल, योग्य मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तमाम बड़ी गारंटियों को पूरा करने में देर भी नहीं किया। जो वादे पांच वर्ष में पूरे करने हैं, उन्हें भी समयबद्ध तरीके से करने की योजना बना कर सायजी की सरकार मोदीजी के 'विकसित भारत' के संकल्प को विकसित छत्तीसगढ़ बना कर सिद्ध करने में जी-जान से जुटी है।

डबल इंजन की सरकार बनते ही किसानों को बकाया बोनस देने के साथ 3100 रुपए प्रति क्विंटल और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से रिकार्ड 149 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी, सरकार गठन के दूसरे दिन ही पहली कैबिनेट में 18 लाख पीएम आवास को मंजूरी समेत प्रदेश में 26 लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किया गया, जिनमें से 15 लाख 38 हजार आवास बन भी चुके हैं। 5 लाख 62 हजार भूमिहीन किसानों को भी हर साल 10-10 हजार रुपए की राशि समेत किसान भाइयों के खाते में अब तक एक लाख करोड़ रुपए की राशि भेजी जा चुकी है। महतारी वंदन योजना के रूप में हर महीने एक-एक हजार रुपए माताओं-बहनों को देने की भी मोदी गारंटी थी, यह वादा भी तीसरे महीने ही पूरा कर दिया गया और करीब 70 लाख माताओं-बहनों को हर महीने यह राशि दी जा रही है।

आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती माओवादी आतंक के खात्मे की तरफ निर्णायक बढ़त की बात हो या फिर जनजातीय समाज के विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित किए जाने की, जनजातीय समाज के उत्थान के लिए मोदी सरकार पीएम जनमन योजना में 2449 किलोमीटर सड़क स्वीकृत की, ऐसे दर्जनों कार्य सफलता से संपादित किए जा रहे हैं जिससे मोदीजी की गारंटी पर सायजी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज विकसित होने की तरफ तेजी से अग्रसर है।

भारत ने इस दौरान श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किये जाने समेत अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की है। अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन हो या कोराना काल में वैक्सीन मैत्री, मोदी जी के निर्णयों से भारत की दुनिया में साख और धाक दोनों बढ़ी है। आज देश के सर्वोच्च पद पर जनजातीय समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मु विराजमान हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व से संभव हुआ है।

मोदीजी के द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान देश में एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। छत्तीसगढ़ में 05 जिले, 58 विकासखण्ड और 17 हजार से अधिक गांव ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किए जा चुके हैं। मोदीजी की सरकार न्यूनतम सरकार एवं अधिकतम शासन के उद्देश्य को साकार करते हुए सिर्फ डेढ़ साल में 350 नीतिगत सुधार कर चुकी है। आज हमारा देश स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा का दुनिया में सिरमौर बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार की अगुआई में भारत आज चतुर्दिक चुनौतियों से पार पाते हुए विश्व में एक सशक्त देश के रूप में जाना जाता है। रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025-26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की साख में चार चाँद लग गए हैं। निश्चित ही ऐसा दो-चार महीनों में नहीं हो पाया है बल्कि इसके लिए वर्षों तपस्या की गई है। 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था, पर आज भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम आयात करने वाले देश नहीं अपितु निर्यात करने वाले देश बन गए हैं।

आज भारत का पताका जिस तरह विश्व भर में फहरा रहा है, भारत जैसे देश की ताकत का लोहा आज दुनिया मान रही है लेकिन बावजूद उसके संयम और विश्व बंधुत्व का संदेश देकर भारत आज समूचे ग्लोब में सम्मान और इज्जत का अधिकारी बना है। इस अद्भुत सफलता के लिए निस्संदेह हम सभी अपने प्रधानमंत्री के आभारी हैं। यह बिना किसी संकोच के कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को गर्व और गौरव की अनुभूति कराना, एक भारतीय के रूप में प्रत्येक देशभक्त नागरिकों में स्वाभिमान और शौर्य, नागरिक बोध का संचार करना मोदीजी की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

हम सचमुच अपने विश्व के महान नेता को अपने देश का मुखिया के रूप में पा कर गौरवान्वित हैं। भारत के ये 11 वर्ष वास्तव में मां भारती के सर पर सजा 11 अमूल्य मणियों के मुकुट की मानिंद हैं। अन्य सभी संकल्पों की तरह ही 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का सपना शत-प्रतिशत पूरा होगा, यह आश्वस्ति भी 11 वर्षों के इस सुंदर अनुभवों से मिल रहा है।

पंकज...
@pankaj_media
Email: mydeepkamal@gmail.com

अटल जी ने हमें दिया सपनों का छत्तीसगढ़

बृजमोहन अग्रवाल

फोटो-विनय शर्मा

देश की राजनीति में साफ-सुथरे मन के महामनीषी अजातशत्रु आदरणीय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का विरोधी दल के नेता भी बेहद सम्मान करते थे। वे निष्पक्ष राजनीति के कबीर की कोटि के अवधूत संत की तरह थे। लोगों के हित और कल्याण पर हमेशा करुणा से भरे रहने वाले श्री अटल बिहारी वाजपेयी देश में सभी वर्गों के चहेते थे

अटल बिहारी वाजपेयीजी के पिता ग्वालियर में एक स्कूल शिक्षक थे। अटल जी के मुख में साक्षात् सरस्वती विराजमान थीं तभी तो उनका भाषण सुनने के लिए लोग कई-कई किलोमीटर दूर से चले आते थे। अपने छात्र जीवन में अटलजी एक बार प्रयागराज विश्वविद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतियोगी के रूप में काफी विलंब से पहुंचे और प्रतियोगिता लगभग खत्म होने वाली थी, तभी आयोजकों से अंत में अपनी डिबेट सुनने भर का मनुहार किया था। तब प्रतियोगिता के अंत की औपचारिकता पूरी करते हुए आयोजकों ने अटलजी को बोलने का अवसर दिया और फिर बाद में उन्होंने अपनी वाक् कला कौशल और धाराप्रवाह अभिव्यक्ति की वजह से प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ वक्ता का इनाम जीत लिया था।

संसद में अटलजी के भाषण अक्सर पंडित नेहरू भी पसन्द करते थे और कहते थे कि अटल बिहारी वाजपेयीजी एक दिन देश के बड़े राजनयिक बनेंगे। 1977 की जनता पार्टी सरकार के विदेश मंत्री के रूप में संयुक्त राष्ट्र में दिया गया उनका हिन्दी भाषण आज भी समूची दुनिया में भारतीय सभ्यता और हिंदी संस्कृति का एक सटीक प्रमाण है। राजनीति में ज्यों की त्यों धर दीन्हीं चदरिया का व्यक्तित्व विरले ही कायम कर पाते हैं।

भारतीय राजनीति को अटल बिहारी वाजपेयीजी ने जिस तरह जिया है, वह तो वास्तव में अनुकरणीय, अद्भुत, अविश्वसनीय और अविस्मरणीय है। अटल बिहारी वाजपेयीजी में साहित्य और पत्रकारिता का बेहद सृजनात्मक संजोग था। ऐसे अनुपम संजोग के साथ जब वे राजनीति में आए तो उनके अंदर लोगों के आम दुःख-दर्द को समझने के लिए एक बहुत

बड़ी चेतना अपने आप विकसित होने लगी। अटल बिहारी वाजपेयीजी का गांव बटेश्वर आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए किसी तीर्थस्थल से कम नहीं है।

1996 के दशक में 24 दलों की गठबंधन सरकार में 81 मंत्रियों का केंद्र सरकार में कुशलतापूर्वक नेतृत्व करते हुए आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयीजी ने देश की राजनीति को गठबंधन धर्म निभाते हुए धैर्य और धर्म के साथ नैतिकता का पाठ पढ़ाया।

1999 के दौर में अटलजी की सरकार महज एक वोट से गिर गई थी। तब सदन में विशाल मन से अटलजी ने कहा था कि भाजपा का भी समय आएगा। मुझे लगता है कि वर्तमान का यह समय भाजपा का वही समय है, जिसकी भविष्यवाणी आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयीजी ने करीब 26 साल पहले की थी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में भाजपा अपने स्वर्णिम दौर से गुजर रही है। नरसिम्हा राव की सरकार के बाद 1996 के दशक में भारतीय जनता पार्टी का धीरे-धीरे उत्थान होने लगा था। उस समय भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने के करीब थी और बहुमत की तलाश कर रही थी तब सदन में मराठा नेता और आज लगभग हाशिये पर आ चुके शरद पवार ने अटलजी पर व्यंग्य कसते हुए कहा था कि ऐसे तो अटलजी ने कभी शादी नहीं की और अब जब वह (प्रधानमंत्री) दूल्हा बनने जा रहे हैं, लेकिन उनके पास बाराती की यानी बहुमत की कमी है।

अटलजी ऐसे व्यंग्य और ताने सहते हुए भी अपने पथ से विचलित नहीं हुए और लगातार कोशिश करते हुए सदन में सरकार बनाते हुए भाजपा और देश को नई दिशा दी। यह अटल बिहारी वाजपेयीजी की ही सेवा भावना का भाजपा को सुनहरा आशीर्वाद है कि अब भाजपा देश की नियति बनती जा रही है। वाजपेयीजी केवल पांच-छह साल के कार्यकाल के लिए देश के प्रधानमंत्री रहे, लेकिन अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए, जिससे देश में आर्थिक वृद्धि और विकास को नया आयाम मिला।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क परियोजना

अटल बिहारी वाजपेयीजी ने 2000 में प्रधानमंत्री के रूप में भारत में असंबद्ध गांवों को सड़क से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) शुरू की थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य 500 या अधिक जनसंख्या वाले गांवों को हर मौसम में सड़क से जोड़ना था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क विहीन गांवों को सड़क मार्ग से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाना और विकास को बढ़ावा देना था।

नदी जोड़ो परियोजना

अटल बिहारी वाजपेयीजी ने भारत में नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से सूखा क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ाना, बाढ़ और सूखे को कम करना, कृषि उत्पादकता में सुधार करना और जलविद्युत उत्पादन को बढ़ावा देनी की सोच थी। जल-अधिशेष नदियों को जल-अभावग्रस्त नदियों से जोड़कर, यह परियोजना जल संसाधनों को संतुलित करने और सतत विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास करती है। अटल बिहारी वाजपेयीजी की 100वीं जयंती पर 44,600 करोड़ की लागत वाली देश की पहली केन-बेतवा राष्ट्रीय परियोजना का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मध्यप्रदेश के खजुराहो में शिलान्यास किया। इसी के साथ ही देश की यह पहली नदी जोड़ो परियोजना अटल बिहारी वाजपेयीजी के मध्यप्रदेश के नाम हो गई।

पोखरण परमाणु परीक्षण

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयीजी के नेतृत्व में 11 और 13 मई, 1998 को भारत ने राजस्थान के पोखरण में कुल पांच परमाणु परीक्षण किए। इन परीक्षणों को ऑपरेशन शक्ति के नाम से जाना जाता है। यह भारत का दूसरा परमाणु परीक्षण था। पहला परीक्षण 1974 में हुआ था। इन परीक्षणों के बाद भारत को परमाणु हथियार संपन्न देश घोषित किया गया। इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य भारत को परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल करना था।

इन परीक्षणों में 45 किलोटन का एक तापीय परमाणु उपकरण (हाइड्रोजन बम) और 15 किलोटन का एक विखंडन उपकरण (फिशन बम) शामिल थे। इन परीक्षणों के बाद भारत दुनिया में परमाणु हथियार संपन्न देशों की सूची में शामिल हो गया। इन परीक्षणों के बाद कई देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, लेकिन भारत इन प्रतिबंधों से नहीं झुका। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने इन परीक्षणों के माध्यम से भारत की परमाणु शक्ति का प्रदर्शन किया और देश में गर्व की भावना पैदा की।

इन परीक्षणों में तत्कालीन वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का योगदान प्रमुख रूप से शामिल था। इसके अलावा फिल्म अभिनेताओं और रंगकर्मियों के साथ पाकिस्तान की राजनयिक यात्रा दोनों देशों के बीच सम्बन्धों को एक नया कलेवर दिया बस से लाहौर तक की यात्रा अटल बिहारी वाजपेयीजी के कवि हृदय की एक सुनहरी दास्तान हो सकती थी, लेकिन बाद में पाकिस्तान के तानाशाह सैन्य प्रशासक राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ द्वारा आगरा शिखर वार्ता को छोड़ स्वदेश पाकिस्तान जाने की घटना आज भी अटलजी के अंदर के एक बेहद सुलझे राजनयिक की तस्वीर को अमन-चैन के प्रेमी एक आम भारतीय अपने हृदय में स्थापित किए हुए हैं।

कमल सा सदैव निर्लिप्त रहने की लहलहाती ललक

देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पवित्र प्रतीक के रूप में रोटी और कमल को जन समूह में बतौर प्रतीक पेश किया गया था। कमल का यह पुष्प इस संसार में लोभ और मोह माया के बीच भी निर्लिप्त होने का एक शाश्वत प्रतीक है। ऐसा इसलिए क्योंकि कमल के फूल पर जल की बूंदें डालने से फूल गीला नहीं होता है, अपितु जल की बूंदें कमल पर पड़ते ही निर्लिप्त भाव से गोल मोतियों का रूप लेकर फूल से अलग होते हुए ढल जाया करती हैं। जो निर्लिप्त भाव यानी सांसारिक चीजों से अलगाव यानी आसक्ति से कहीं दूर एक पवित्र मुक्त भाव के संकेत देती हैं। अटलजी ऐसे ही कमलवत् थे।•••

(लेखक छत्तीसगढ की रायपुर के भाजपा सांसद हैं)

सामरिक समृद्धि की ओर अग्रसर राष्ट्र

शिवप्रकाश

चाणक्य नीति में कहा गया है कि "शखेण रक्षिते राष्ट्र शाख चिंता प्रवर्तते" अर्थात शाखों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो, उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है।

गरीब कल्याण, ढांचागत विकास, अंतर बाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष के प्रगति की गवाह हैं। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक है। आयात में 21% की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34% की वृद्धि करने में देश सक्षम हुआ है। आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे हथियारों की मांग भी बढ़ गयी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वार्ताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है। गरीब कल्याण, ढांचागत विकास, अंतर बाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह हैं। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं।

चाणक्य नीति में कहा कि "शखेण रक्षिते राष्ट्र शाख चिंता प्रवर्तते" अर्थात शाखों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो, उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता 'क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो' इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं। भारतीय जनसंघ ने अपने 1964 के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयत्न करने चाहिए। "सिद्धांत एवं नीतियां" नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। प्रस्ताव प्रतिपादन करते समय कहा गया था कि हमारे आराध्य सभी देवी-देवता धर्म संस्थापना के लिए शस्त्रधारी हैं। इसलिए भारत माता भी परमाणु बम धारी होनी चाहिए। इसी नीति का अनुसरण करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था।

2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने, इस प्रकार की नीति पर चला। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति इसी का उदाहरण है। जहां कांग्रेस सरकार में आतंकियों के लिए 'जी' जैसे सम्मानपूर्वक शब्दों का उपयोग चल रहा था, वहीं मोदी सरकार में सेना और सुरक्षा बलों को आतंक से लड़ने के लिए छूट एवं सुरक्षा बलों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाये गए। रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था, अब 2025-26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है।

सन् 2015 में कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोला बारूद उपलब्ध था। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध करायी गई हैं। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिए लंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ। ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है।

शस्त्रों की खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुके हैं। फ्रांस से आने वाले राफेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है। एस-400, -400, सुखोई-30, इजरायल से ड्रोन, हैमर मिसाइल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम (मल्टी बैरल राकेट लांचर), वरुणास्त आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाइल को मार गिराने में हम सक्षम हुए हैं। 11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीदी ही नहीं, हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शखों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोन का डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, टाटा इसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण में करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 174% की वृद्धि हुई है। रक्षा उत्पादन 2014-15 में 46529 करोड़ की तुलना में 2023-24 में 127265 करोड़ हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 17 नवंबर 2021 (राष्ट्र रक्षा समर्पण -पर्व, झांसी) के अपने संबोधन में कहा कि "भारत अपनी रणनीतिक व सुरक्षा आवश्यकताएं अन्य देशों पर निर्भर होकर पूरा नहीं कर सकता सरकार निरंतर 'आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयासरत है।" रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम खरीदने अर्थात आयात करने वाले देश नहीं, हम बेचने वाले अर्थात निर्यात करने वाले देश बन गए हैं। 2004 से 2014 अर्थात 10 वर्षों में हमने 4312 करोड़ का निर्यात किया था। 2014 से 2024 में 88,319 करोड़ का हुआ है। 2024-25 में केवल एक वर्ष में ही हमने 23622 करोड़ का निर्यात किया है। आयात में 21% की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34% की वृद्धि करने में देश सक्षम हुआ है।

देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। 11 वर्षों बाद 2025 में वह संख्या मात्र 6 रह गई है। बड़े-बड़े इनामी नक्सली आतंकी मुठभेड़ में मारे गए हैं।

आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों कर निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे शस्त्रों की मांग भी बढ़ गयी है। देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। 11 वर्षों बाद 2025 में वह संख्या मात्र 6 रह गई है। बड़े-बड़े इनामी नक्सली आतंकी मुठभेड़ में मारे गए हैं। सरकार के नक्सलमुक्त देश के संकल्प से लगता है कि भावी पीढ़ी नक्सलवाद नाम ही भूल जाएगी। गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 2 सितंबर 2022 को कोच्चि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना के नए ध्वज का अनावरण किया, जिसमें औपनिवेशिक 'सेंट जॉर्ज क्रॉस' को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित अष्टकोणीय प्रतीक को स्थान दिया गया। खून एवं पानी एक साथ नहीं बहेगा, सिंधु नदी समझौता रद्द कर हमने आतंक के प्रति अपने दृष्टिकोण को विश्व के सामने स्पष्ट किया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति, पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने, आतंकवाद के प्रति भारत के दृष्टिकोण को विश्व के सम्मुख रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल देश की एकजुटता को प्रकट करने का कूटनीतिक सराहनीय प्रयास है। भारत को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यह प्रयास देश की जनता में यह विश्वास जगाने में सफल हुए हैं कि मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में है। ।•••

समावेशी विकास और खुशहाली का एक नया युग : साय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बदल रही तकदीर और तस्वीर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया। सीएम श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 11 वर्ष का कार्यकाल अनेक मायनों में ऐतिहासिक रहा है। उनके दूरदर्शिता पूर्ण नेतृत्व में देश ने समावेशी विकास, समृद्धि और खुशहाली के नये दौर में कदम रखा है। मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार का हर दिन अंत्योदय की साधना को समर्पित रहा है। सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ समाज के सभी वर्ग विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उनके कार्यकाल में देश और दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है। छत्तीसगढ़ ने डबल इंजन की सरकार में चौतरफा विकास के नये आयाम गढ़े हैं। चाहे विकास की बात हो या माओवादी आतंक से निपटने की, केन्द्र सरकार का राज्य सरकार को भरपूर समर्थन और सहयोग मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल-इंजन की सरकार बनते ही किसान भाइयों से की गई मोदी जी की गारंटी भी साकार हुई। हमने बकाया बोनस देने के साथ 3100 रुपए प्रति क्विंटल और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की गई है। पिछले साल छत्तीसगढ़ में रिकार्ड 149 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। इन 11 सालों में देश में जो बड़ा बदलाव आया है, उससे छत्तीसगढ़ सहित देश के प्रत्येक नागरिक का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। पीएम आवास के जरिए गरीब परिवारों के घर का सपना पूरा हुआ। छत्तीसगढ़ में हमने सरकार गठन के दूसरे दिन ही पहली कैबिनेट में 18 लाख पीएम आवास को मंजूरी देकर मोदी जी के वायदे को पूरा किया है। प्रदेश में 26 लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किए जा चुके हैं। इनमें से 15 लाख 38 हजार आवास बन चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 लाख 62 हजार भूमिहीन किसानों को भी हर साल 10-10 हजार रुपए की राशि हमारी राज्य सरकार दे रही है। किसान भाइयों के खाते में अब तक एक लाख करोड़ रुपए की राशि प्रेषित कर चुके हैं। डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनावों में मोदी जी ने महतारी वंदन योजना के रूप में हर महीने एक-एक हजार रुपए माताओं-बहनों को देने की गारंटी दी थी। हमने यह वादा तीसरे महीने ही पूरा कर दिया और करीब 70 लाख माताओं-बहनों को हर महीने यह राशि दे रहे हैं। माओवादी आतंकवाद पर सख्त प्रहार

आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती माओवादी आतंक के खात्मे का मोदी जी और अमित शाह जी का संकल्प भी सिद्ध हो रहा है। छत्तीसगढ़ में बीते डेढ़ साल में 425 माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया गया है। 1388 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और 1443 को गिरफ्तार किया गया है। नक्सल विरोधी अभियान में हमारे जवानों ने बसवराजू और सुधाकर जैसे बड़े नक्सलियों को न्यूट्रलाइज कर माओवाद की रीढ़ तोड़ दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भारत मां के वीर सपूत धरती आबा भगवान बिरसामुण्डा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर जनजातीय अस्मिता को गौरवान्वित किया है। जनजातीय समाज के उत्थान के लिए मोदी सरकार द्वारा पीएम जनमन योजना प्रारंभ की गई। इस योजना से छत्तीसगढ़

के 18 जिलों के 2121 गांवों में विशेष पिछड़ी जनजाति के 2 हजार 160 बसाहटों में तेजी से बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा है। पीएम जनमन योजना में 2449 किलोमीटर सड़क स्वीकृत की गई हैं। जनजातीय समाज उत्थान पर केन्द्रित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का सबसे अधिक लाभ छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बाहुल्य राज्यों को मिल रहा है। राज्य के 32 जिलों में 6 हजार 691 जनजातीय ग्रामों को लाभान्वित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का अब तक का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के अनुष्ठान की तरह है। गरीब, किसान, पिछड़े, दलित और आदिवासियों का कल्याण उनकी प्राथमिकता है। उज्जवला योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 36 लाख 76 हजार बहनों को गैस कनेक्शन मिला है। प्रधानमंत्री जी ने गरीब कल्याण योजना के माध्यम से गरीबी रेखा के लोगों के लिए अगले पांच वर्षों तक निःशुल्क खाद्यान्न योजना शुरू की है। प्रदेश में भी 71 लाख से अधिक परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी किसानों की आमदनी दुगुनी करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। छोटे और सीमांत किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर साल छह हजार रुपए की राशि दी जा रही है। छत्तीसगढ़ में 26 लाख किसान भाइयों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के रूप में किसानों को सुरक्षा कवर प्रदान किया। हमने तेंदूपत्ता संग्राहकों का संग्रहण पारिश्रमिक 4 हजार से बढ़ाकर साढ़े पांच हजार रुपए कर दिया। इस तरह मोदी जी की एक और गारंटी को हमने पूरा किया। हर घर स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन पर आधारित जल जीवन मिशन के लिए अब तक छत्तीसगढ़ को केन्द्र से 6,178.33 करोड़ रूपए मिले हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने चौतरफा प्रगति की नयी कहानी लिखी है। ऐसी-ऐसी उपलब्धि हासिल की गयी है जिसकी इससे पहले कल्पना भी नहीं थी। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किया जाना आदि दर्जनों उपलब्धियों का वर्णन इतिहास करेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रांची और विशाखापट्नम से छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली एक्सप्रेस-वे हमारे बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए वरदान होंगे। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से करोड़ों लोग स्वास्थ्य की चिंता से मुक्त हो गये हैं। छत्तीसगढ़ में भी 81 लाख परिवारों के 2 करोड़ 38 लाख से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इनमें से 38.47 लाख लोगों को 8 हजार 241 करोड़ रूपए का उपचार लाभ मिला है। राज्य में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के 3.69 लाख बुजुर्गों को वय वंदन आयुष्मान कार्ड जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद पर मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति से बस्तर में तरक्की का नया सूर्योदय देखने को मिल रहा है। जहां कभी बंदूक की गोलियां गूंजती थी, वहां बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन विकास के प्रति लोगों की उम्मीद को जाहिर करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश पिछले 11 वर्षों में विरासत के साथ विकास की यात्रा पर आगे बढ़ा है। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के साथ महाकुंभ-2025 का अभूतपूर्व आयोजन भारतीय सनातन संस्कृति का जयघोष है। मोदी जी की सरकार ने केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 32 प्रतिशत से बढ़ा कर 42 प्रतिशत किया, जिससे छत्तीसगढ़ में राजस्व में अब तक कुल 62 हजार 509 करोड़ राशि की वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ भी अहम भूमिका निभाएगा। इसके लिए हमने विजन डॉक्यूमेंट भी बनाया है। हम सब मोदी जी के नेतृत्व में एक ऐसा भारत बनाने जा रहे हैं, जहां प्रत्येक भारतवासी की विकास की आकांक्षा पूरी होगी। ।•••

समृद्धि राष्ट्र का संकल्प हो रहा पूर्ण : किरण देव

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल अनेक मायनों में ऐतिहासिक रहा है। उनके दूरदर्शिता पूर्ण नेतृत्व में देश ने समावेशी विकास, समृद्धि और खुशहाली के नये दौर में कदम रखा है। उनके नेतृत्व वाली सरकार का हर दिन अंत्योदय की साधना को समर्पित रहा है। सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ समाज के सभी वर्ग विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उनके कार्यकाल में देश और दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है। छत्तीसगढ़ ने डबल-इंजन की सरकार में चौतरफा विकास के नये आयाम गढ़े हैं।

प्रगति के पथ पर गतिमान राष्ट्र : तोखन साहू

केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी समाज के हर वर्ग की उन्नति हो इसकी चिंता हमेशा करते हैं और विकास योजनाओं के माध्यम से समग्र समाज को उन्नति के साथ जोड़ा जाए यह उनकी प्राथमिकताओं में है। इस दिशा में लगातार इन 11 वर्षों में कार्य हुए हैं। लगातार हम प्रगति के पथ पर गतिमान हैं। उनके नेतृत्व में समृद्ध भारत और विकसित भारत के संकल्प को सब मिलकर पूर्ण कर रहे हैं, जिसे लेकर हर किसी को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है।

सबकी भागीदारी हमारी जिम्मेदारी

राष्ट्र की विकास के साथ छत्तीसगढ़ की विकास में हम सब सहभागी हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इन 11 वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर भी नवीन आधारशीला रखी गई ।

■ छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने मोदीजी की अधिकांश बड़ी गारंटियों को पूरा कर कीर्तिमान स्थापित किया है, निःसंदेह इसका श्रेय भी मोदीजी को है, जिनकी गारंटी पर जनता ने भरोसा कर हमें सेवा का अवसर दिया।

■ उज्ज्वला योजना के जरिए हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने मातृशक्ति को बड़ा उपहार दिया है। छत्तीसगढ़ में 36 लाख 76 हजार बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिला है।

■ प्रधानमंत्री जी ने गरीब कल्याण योजना के माध्यम से गरीबी रेखा के लोगों के लिए अगले 5 वर्षों तक निःशुल्क खाद्यान्न योजना शुरू की है। प्रदेश में भी 71 लाख से अधिक परिवारों को लाभ मिल रहा है।

■ हमारे छत्तीसगढ़ में भी 26 लाख किसान भाइयों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। खास बात ये है कि विशेष पिछड़ी जनजाति के 32 हजार 500 किसानों को इस योजना लाभ मिल रहा है।

■ छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बाहुल्य राज्य है। पिछले 11 साल में मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जिस तरह काम हुआ है, वह अभूतपूर्व है।

■ नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ समेत देशभर में जिस तरह कार्रवाई हो रही है, उससे जल्द ही देश व छत्तीसगढ़ माओवाद से मुक्त होगा।

■ छत्तीसगढ़ में बीते डेढ़ साल में 425 माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया गया है। 1388 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और 1443 को गिरफ्तार किया गया है।

■ नक्सल विरोधी अभियान में हमारे जवानों ने कुख्यात नक्सली बसवराजू और सुधाकर जैसे बड़े नक्सलियों को न्यूट्रलाइज कर माओवाद की रीढ़ तोड़ दी है।

■ छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनते ही किसान भाइयों से की गई मोदी जी की गारंटी भी साकार हुई। हमने बकाया बोनस देने के साथ 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद रहे हैं। किसानों को 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान बेचने की सुविधा दी गई है। पिछले साल छत्तीसगढ़ में रिकार्ड 149 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई।

■ 5 लाख 62 हजार भूमिहीन किसानों को भी हर साल 10-10 हजार रुपए की राशि हमारी राज्य सरकार दे रही है। किसान भाइयों के खाते में अब तक एक लाख करोड़ रुपए की राशि प्रेषित कर चुके हैं।

■ डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनावों में मोदी जी ने महतारी वंदन योजना के रूप में हर महीने एक-एक हजार रुपए माताओं-बहनों को देने की गारंटी दी थी। हमने यह वादा तीसरे महीने ही पूरा कर दिया और करीब 70 लाख माताओं-बहनों को हर महीने यह राशि दे रहे हैं।

■ भारत मां के वीर सपूत धरती आबा भगवान बिरसामुण्डा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मान्यता देकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजातीय अस्मिता को गौरवान्वित किया है।

■ जनजातीय समाज के उत्थान के लिए मोदी सरकार द्वारा पीएम जनमन योजना प्रारंभ की गई। इस योजना से

छत्तीसगढ़ के 18 जिलों के 2121 गांवों में विशेष पिछड़ी जनजाति के 2 हजार 160 बसाहटों में तेजी से बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा है।

■ देश भर में पीएम जनमन योजना से 4781 किलोमीटर सड़कें स्वीकृत की गई हैं इनमें छत्तीसगढ़ में ही आधी से अधिक अर्थात 2449 किलोमीटर सड़क स्वीकृत की गई है।

■ जनजातीय समाज उत्थान पर केन्द्रित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का सबसे अधिक लाभ छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बाहुल्य राज्यों को मिल रहा है। राज्य के 32 जिलों में 6 हजार 691 जनजातीय ग्रामों को लाभान्वित किया जा रहा है।

■ छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनते ही हमने तेंदूपत्ता संग्राहकों का संग्रहण मूल्य 4 हजार से बढ़ाकर साढ़े पांच हजार रुपए कर दिया। इस तरह मोदी जी की एक और गारंटी को हमने पूरा किया।

■ हर घर स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन पर आधारित जल जीवन मिशन के लिए अब तक छत्तीसगढ़ को केन्द्र से 6,178.33 करोड़ रूपए मिले हैं।

■ स्वच्छ भारत अभियान देश में एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। छत्तीसगढ़ में 05 जिले, 58 विकासखण्ड और 17 हजार से अधिक गांव ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किए जा चुके हैं।

■ हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के न्यूनतम सरकार एवं अधिकतम शासन के उद्देश्य को साकार करते हुए सिर्फ डेढ़ साल में 350 नीतिगत सुधार कर चुकी है।

■ हम पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच कराकर इस परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठा रहे हैं।

■ नई औद्योगिक नीति लागू कर हमने निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियां बनाई है। इससे अब तक 5.5 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

■ हमने सुशासन के मंत्र पर आगे बढ़ते हुए सुशासन एवं अभिसरण विभाग गठित किया है। यह विभाग दूसरे विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने का काम कर रहा है।

■ डिजिटल संसाधनों से सुशासन के लक्ष्य कैसे हासिल किए जा सकते हैं। सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 इसका एक बेहतरीन उदाहरण है।

पीएम आवास के जरिए गरीब परिवारों के घर का सपना पूरा हुआ। छत्तीसगढ़ में हमने सरकार गठन के दूसरे दिन ही पहली कैबिनेट में 18 लाख पीएम आवास को मंजूरी देकर मोदी जी के वायदे को पूरा किया है। प्रदेश में 26 लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किए जा चुके हैं। इनमें से 15 लाख 38 हजार आवास बन चुके हैं।

■ हमारे प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि मेरा सपना है कि हर डिवाइस का चिप भारत में बने, इसकी शुरूआत हमने भी कर दी है और प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर प्लांट का भूमिपूजन हो चुका है। नवा रायपुर अटल नगर में 1100 करोड़ रूपए की लागत से यह बन रहा है।

■ इसी तरह हम देश का पहला एआई डाटा सेंटर पार्क स्थापित कर रहे हैं।

■ विद्युत उत्पादन में वृद्धि के लिए 41 हजार 121 करोड़ रूपए के लागत के विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है।

■ पर्यावरण अनुकूल विकास को लेकर पीएम मोदी जी के आव्हान पर हमने प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 2.50 करोड़ पौधे लगाए हैं।

■ पूरा देश एक्सप्रेस-वे के शानदार नेटवर्क से तेजी से प्रगति कर रहा है। हम बुलेट ट्रेन पर काम कर रहे हैं। देश भर में शानदार सुविधाएं देने वाली 136 वंदे भारत ट्रेन चल रही हैं। पहले देश में पांच मेट्रो थे, अब 23 हैं। हमारी सरकार ने रायपुर में भी मेट्रो सेवा के लिए सर्वे आरंभ कर दिया है।

■ प्रदेश में 48 हजार करोड़ रुपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर काम हो रहा है। जगदलपुर-रावघाट को कनेक्टिविटी मिल गई है। खरसिया-परमालकसा रेल नेटवर्क की स्वीकृति मिल गई है। छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी।

■ वर्ष 1853 से लेकर 2014 तक 161 साल में छत्तीसगढ़ में केवल 1100 रूट किमी रेल लाइन बिछाई गई। मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2030 तक प्रदेश में रेल नेटवर्क दोगुना बढ़कर 2200 रूट किमी हो जाएगा।

■ प्रदेश के 32 रेल्वे स्टेशनों को एक हजार 680 करोड़ की लागत से अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। हाल ही में 5 अमृत रेल्वे स्टेशन का लोकार्पण किया गया है।

■ रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे तथा बिलासपुर-उरगा-पत्थलगाँव फोरलेन का निर्माण किया जा रहा है। भारत सरकार ने 2014 से 2025 तक लेफ्ट विंग एक्सट्रिमिस्म (एल. डब्लू. ई) योजना के अंतर्गत चयनित महत्वपूर्ण सड़कों के विकास के लिए 2625 करोड़ रुपये खर्च किये है।

■ देश में हर दिन 34 किलोमीटर के हाइवे बन रहे हैं। रांची और विशाखापट्नम से छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली एक्सप्रेस-वे हमारे बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए वरदान होंगे। केशकाल नई मार्ग के स्वीकृति से बस्तर विकास को बल मिलेगा।

■ अंबिकापुर, बिलासपुर और जगदलपुर एयरपोर्ट में कनेक्टिविटी की सुविधा जिस तरह बढ़ी है, उससे ये क्षेत्र उद्योग एवं वैश्विक पर्यटन मानचित्र में उभर कर आये हैं। रायपुर से एयर कार्गो सेवा आरंभ होने से कारोबारियों को बड़ा लाभ हुआ है।

■ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था के जड़ों को सींचने का काम हुआ है। प्रदेश में 341 पीएम श्री स्कूल प्रारंभ किए गए हैं।

■ देश में मेडिकल कालेज की संख्या में कई गुना बढ़ोत्तरी हो गई है। छत्तीसगढ़ में अभी हम चार नये मेडिकल कालेजों के भवन का निर्माण कर रहे हैं।

■ छत्तीसगढ़ में 81 लाख परिवारों के 2 करोड़ 38 लाख से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इनमें से 38.47 लाख लोगों को 8 हजार 241 करोड़ रूपए का उपचार लाभ मिला है।

■ राज्य में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के 3.69 लाख बुजुर्गों को वय वंदन आयुष्मान कार्ड जारी किया गया है।

■ मोदी जी की सरकार ने केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 32 प्रतिशत से बढ़ा कर 42 प्रतिशत किया, जिससे छत्तीसगढ़ में राजस्व में अब तक कुल 62 हजार 509 करोड़ राशि की वृद्धि हुई है। ।•••

विकसित भारत का अमृत काल
सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के
11 साल

समृद्धि, संकल्प, सार्थकता के 11 साल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिन्होंने देश की तस्वीर बदल दी है। इन वर्षों में सरकार ने आर्थिक विकास, सामाजिक कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास, और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है।

भारतीय उद्यमियों के हौसले हुए बुलंद

मेरा दृढ़ विश्वास है कि भारत में बहुत अधिक मात्रा में छिपी हुई उद्यमशील उर्जा है। इसे पोषित-पल्लवित करने की जरूरत है, ताकि हम नौकरी चाहने वाले देश से आगे बढ़कर नौकरी देने वाला देश बनें। -नरेंद्र मोदी एनडीए सरकार उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर फोकस कर रही है। 'मेक इन इंडिया' पहल भारत में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के हमारे चार स्तंभों पर आधारित है। ना सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी।

भारत के विकास को मिली मज़बूती

भारत ने 18,000 गांवों में बिजली पहुंचाने का महत्वाकांक्षी मिशन तय किया है। ये गांव आजादी के 7 दशक बाद आज भी अंधेरे में डूबे हुए हैं। प्रधान मंत्री मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में घोषणा की थी कि 1000 दिनों के भीतर सभी शेष गांवों में बिजली पहुंचा दी जाएगी। गांवों का विद्युतीकरण तेजी से हो रहा है। और, यह काम बहुत ही पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। एक मोबाइल ऐप और एक वेब डैशबोर्ड के जरिए विद्युतीकरण किए जा रहे गांवों के आंकड़े जनता के लिए उपलब्ध हैं।

40%
देश की आबादी गंगा नदी पर निर्भर

नमामि गंगे

उत्तर प्रदेश में गंगा के तट पर स्थित वाराणसी से संसद के लिए मई 2014 में निर्वाचित होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, 'मां गंगा की सेवा करना मेरे भाग्य में है।' गंगा नदी का न सिर्फ़ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है बल्कि देश की 40% आबादी गंगा नदी पर निर्भर है। 2014 में न्यूयॉर्क में मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था, "अगर हम इसे साफ करने में सक्षम हो गए तो यह देश की 40 फीसदी आबादी के लिए एक बड़ी मदद साबित होगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज हुई रफ्तार

एनडीए सरकार के तहत भारत दुनिया में सर्वाधिक तेज़ी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। ये भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक साल था। पस्त पड़ चुकी विकास दर, भारी महंगाई और उत्पादन में कमी के दौर से उबरते हुए एनडीए सरकार ने ना सिर्फ मैक्रो-इकनॉमिक फंडामेंटल्स को मजबूत किया, बल्कि अर्थव्यवस्था को एक तेज रफ्तार विकास पथ ले आई। भारत की जीडीपी विकास दर कुलांचे भर कर 7.4% हो गई, जो दुनिया की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है।

कायम की अभूतपूर्व पारदर्शिता

देश हित में पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन पिछले दशक में हालांकि मनमाने ढंग से फैसले लेने, भ्रष्टाचार और मनमाने ढंग से महत्वपूर्ण निर्णय लेने की कई कहानियां सुनाई दीं, लेकिन पिछले एक वर्ष में स्वगतयोग्य बदलाव देखा गया। कोयला ब्लाक आवंटन रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद सरकार ने अतुलनीय तत्परता दिखाते हुए पारदर्शी और समयबद्ध नीलामी सुनिश्चित की। 67 कोयला ब्लाक की नीलामी और आवंटन की प्रक्रिया 3.35 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इस बारे में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहाः "हमें इस तथ्य ने आश्वस्त किया है कि नीलामी की प्रक्रिया सही ढंग से पूरी हुई।

संस्कृति से गौरव की ओर, हर कदम पर प्रगति की कहानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत की सांस्कृतिक यात्रा एक रंग-बिरंगी रंगोली की तरह उभरकर सामने आई है। इसमें परंपरा की गहराई, आधुनिकता की समझ और वैश्विक जुड़ाव का अद्भुत समावेश है। हम्पी जैसे कालातीत धरोहर स्थलों से लेकर योग और आयुर्वेद जैसी प्राचीन विधा को विश्व मंच पर स्थापित करने तक, भारत ने अपनी विरासत को संजोने के साथ-साथ उसे वैश्विक पहचान दिलाई है।

तीर्थयात्रा को सुगम बनाने के लिए प्रयास

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ मंदिर के आसपास विकास और पार्वती मंदिर के निर्माण सहित प्रमुख तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार करके अहिल्याबाई होल्कर की विरासत को आगे बढ़ाया है। साथ ही, तीर्थयात्रियों को अरब सागर के सामने सोमनाथ मंदिर का शानदार दृश्य दिखाने के लिए सैरगाह का विकास किया है। तीर्थयात्रा को सुगम बनाने के लिए सरकार ने उत्तराखंड में चारधाम राजमार्ग परियोजना, हेमकुंड साहिब रोपवे और बौद्ध सर्किट विकास जैसी योजनाएं शुरू की हैं। करतारपुर कॉरिडोर ने भारत-पाक सीमा पर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब को भारतीय सिखों के लिए सुलभ बनाया है।

एक खुशहाल भारत के लिए मजबूत किसान

कृषि को तेजी से बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए किसान हमेशा से हमारे देश का आधार रहे हैं और एनडीए सरकार इनोवेशन और कुछ ठोस उपायों के जरिए देश के इस आधार को मजबूत बनाने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सिंचाई की सुविधाएं सुनिश्चित कर उपज को बढ़ाएगी। इस योजना का विजन यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक खेत को किसी ना किसी तरह के सुरक्षात्मक सिंचाई के साधन उपलब्ध हों। किसानों को सिंचाई के आधुनिक तरीकों के बारे में शिक्षित किया जा रहा है ताकि पानी की 'प्रत्येक बूंद के बदले अधिक पैदावार' मिले।

विकसित भारत का अमृत काल
सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के
11 साल

प्रसाद योजना का मिल रहा प्रतिसाद

भारत की समावेशी सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखते हुए प्रसाद योजना के तहत मस्जिदों, चर्चों और अन्य धर्मों के पूजा स्थलों का भी पुनर्विकास किया गया है। स्वदेश दर्शन और हृदय योजनाओं के माध्यम से पर्यटन एवं विरासत शहरों के विकास में समग्र निवेश किया गया है। इस समग्र विकास का परिणाम यह है कि 2024 में भारत में 9.66 मिलियन विदेशी पर्यटक आए और देश ने 2,77,842 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की आय अर्जित की। छत्तीसगढ़ के मां बम्लेश्वरी मंदिर को इस योजना के तहत लिया गया है।

भारत की खोई हुई धरोहरों को वापस लाने के अभियान

भारत की खोई हुई धरोहरों को वापस लाने के अभियान ने भी गति पकड़ी है। 2013 से पहले, विदेश से भारत को केवल 13 चोरी की गई प्राचीन वस्तुएं वापस की गई थी। हालांकि, 2014 के बाद से अब तक 642 प्राचीन वस्तुएं विभिन्न चरणों में भारत लौटाई गई हैं, जिनमें से अकेले अमेरिका से 578 कलाकृतियां लौटी हैं। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

केदारनाथ धाम, राम मंदिर और सोमनाथ मंदिरों का भी जीर्णोद्धार

मंदिरों के गलियारों और तीर्थ स्थलों का पुनर्विकास

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में मंदिरों के गलियारों और तीर्थ स्थलों का अभूतपूर्व पुनर्विकास हुआ है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक उज्जैन, मां कामाख्या मंदिर, राम मंदिर अयोध्या, केदारनाथ धाम और जूना सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार से भारत की आध्यात्मिक आत्मा को एक नई ऊर्जा मिली है। ये परियोजनाएं धार्मिक भावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को भी प्रोत्साहित कर रही हैं।

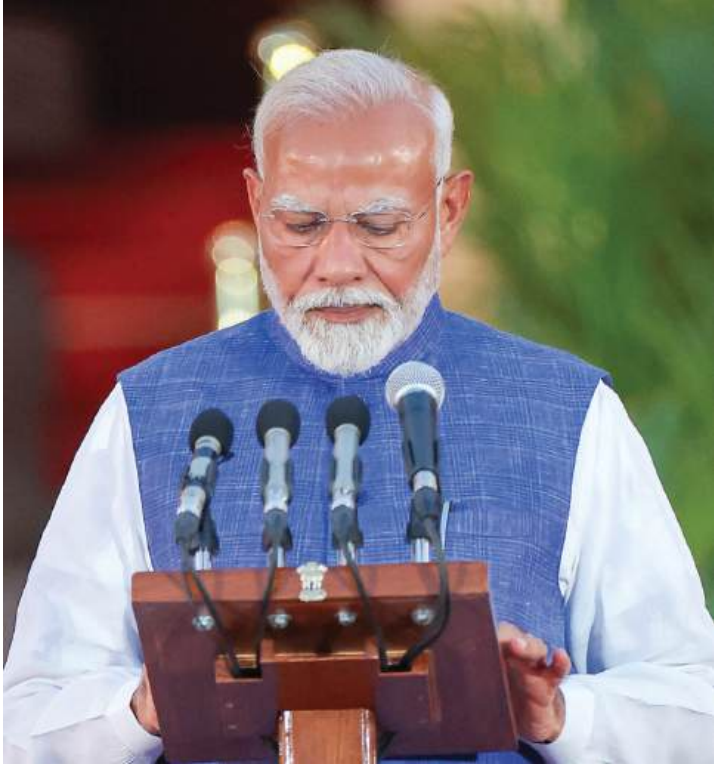

राष्ट्र-निर्माताओं को उचित सम्मान

भारत के राष्ट्र-निर्माताओं को उचित सम्मान देने की दिशा में भी कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री संग्रहालय, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, जलियांवाला बाग स्मारक और 11 आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय जैसे संस्थान देश की स्मृति में बलिदानों को जीवित रखते हैं। भारत मंडपम और नया संसद भवन भारत की सांस्कृतिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतीक बनकर उभरे हैं।

महाकुंभ 2025

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान और काशी तमिल संगमम जैसे आयोजनों ने भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के बीच सेतु का काम किया है। महाकुंभ 2025 का आयोजन, जिसमें एक माह में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए, इस बात का प्रमाण है कि भारत में आध्यात्मिक एकता कितनी गहराई से रची-बसी है।

आयुर्वेद को भी वैश्विक मान्यता दिलाने के प्रयासों में तेजी

आयुर्वेद को भी वैश्विक मान्यता दिलाने के प्रयासों में तेजी आई है। आयुष मंत्रालय ने 24 देशों के साथ समझौते किए हैं और 35 देशों में आयुष सूचना केंद्र स्थापित किए हैं। जामनगर में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर की स्थापना और "हील इन इंडिया" व "आयुष वीज़ा" जैसी पहलों ने भारत को समग्र चिकित्सा के वैश्विक केंद्र के रूप में उभारा है।

संस्कृति के क्षेत्र में भारत की वैश्विक साख

संस्कृति के क्षेत्र में भारत की वैश्विक साख को बढ़ाने के लिए मुंबई में विश्व ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (WEAVES) 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 8,000 करोड़ रुपये से अधिक के समझौते किए गए। इस आयोजन ने भारत के रचनात्मक उद्योगों को वैश्विक मंच

एक उज्ज्वल भविष्य की ओर

एनडीए सरकार ने शिक्षा तथा कौशल विकास को दिया बेमिसाल बढ़ावा शिक्षा की गुणवत्ता और उसकी पहुंच बढ़ाने के लिए कई यूनीक उपाये किए गए। प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी कार्यक्रम के माध्यम से सभी शिक्षा ऋणों और छात्रवृत्तियों के प्रशासन और निगरानी के लिए एक पूर्ण रूप से आईटी आधारित वित्तीय सहायता प्राधिकरण की स्थापना की गई। अध्यापन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण मिशन शुरू किया गया। भारतीय छात्रों को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने के लिए ग्लोबल इनीशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क (GIAN) की शुरुआत हुई।

प्रदान किया। भारत की यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में भी वृद्धि हुई है। जुलाई 2024 में असम के मोइदम्स को इस सूची में शामिल किया गया, जिससे अब भारत के पास 43 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं।

बढ़ रही जीवन सुगमता

पीएम मोदी ने बीते 11 सालों में हुए बुनियादी ढांचे के विकास की यात्रा बताई है। उन्होंने कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाईअड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क जीवन सुगमता को गति प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार के 11 साल को देश के लिए बुनियादी ढांचा क्रांति बताया। उन्होंने कहा, 2014 से देश में बुनियादी ढांचा गति से विकसित हुआ है। यह जीवन सुगमता को बढ़ावा देने के साथ समृद्धि को भी बढ़ा रहा है।

इस्पात व आत्मा के संगम की यात्रा

पीएम श्री मोदी ने लिखा, यह एक ऐसी यात्रा है जिसमें इस्पात और आत्मा का संगम होता है। प्रत्येक मील का पत्थर एक अरब लोगों की उम्मीदों को लेकर चलता है। राजमार्ग जो दूरियों को कम करते हैं, पुल जो समुदायों को जोड़ते हैं और डिजिटल नेटवर्क जो नवाचार को बढ़ावा देते हैं। भारत बुनियादी ढांचे से कहीं अधिक का निर्माण कर रहा है। यह आत्मविश्वास, कनेक्टिविटी और हर भारतीय सपने के लिए एक सुंदर कैनवास का निर्माण कर रहा है। पोस्ट में कहा गया कि गति परिवर्तन केवल प्रगति के बारे में नहीं है, यह प्रत्येक नागरिक के उत्थान और भारत के भविष्य को बदलने के वादे के बारे में है। यह एक आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रहा है।

लोगों को पता है क्या हो रहा है

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश की जनता को पता है कि क्या हो रहा है। चूंकि बीते 11 साल में सरकार ने कई नकारात्मक धारणाओं को तोड़ते हुए देश के समक्ष नया नजरिया पेश किया है। लोग बदलाव को महसूस कर रहे हैं और इसमें तेजी चाहते हैं। हमें सकारात्मक बदलाव में जन भागीदारी के माध्यम से तेजी लानी है। इसलिए मंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में जाएं और सिर्फ अपने मंत्रालय की उपलब्धियों, नीतियों और कार्यक्रमों पर ही बात करें। सकारात्मक बदलाव के लिए लोगों की न सिर्फ राय जानें, बल्कि उस पर अमल करने का रास्ता भी तलाशें।

काम के कारण बढ़ी अपेक्षा

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 11 सालों में सभी क्षेत्रों में नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं के कारण आए बदलाव से लोगों की अपेक्षाएं पहले की तुलना में बहुत बढ़ गई हैं। लोग न सिर्फ सकारात्मक बदलाव चाहते हैं, बल्कि इन बदलावों के भागीदार भी बनना चाहते हैं। ऐसे में सभी मंत्रालय जन-भागीदारी बढ़ाने के बारे में भी सोचें।

25.93
लाख लोगों ने योग की ऑनलाइन शपथ ली और कई विश्व रिकॉर्ड बनाए गए।

योग को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई

भारत ने योग को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ने दुनिया भर में स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। 2024 में उत्तर प्रदेश में 25.93 लाख लोगों ने योग की ऑनलाइन शपथ ली और कई विश्व रिकॉर्ड बनाए गए। 2025 का योग दिवस "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" थीम के साथ मनाया जाएगा।

मजबूत अर्थव्यवस्था से हम हो रहे आत्मनिर्भर : शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर बिलासपुर में प्रोफेशनल मीट का आयोजन हुआ। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि देश में 11 साल से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार कार्य कर रही है। इस दौरान भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और जल्द ही पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2047 तक देश को विकसित करने का लक्ष्य रखा है। सरकार उसी लक्ष्य के लिए कार्य कर रही है। इसके लिए देश के 140 करोड़ लोगों को साथ लिया जा रहा है। देशभर के यूनिवर्सिटी से छात्रों से विकसित भारत के लिए सुझाव भी मांगे गए थे। इस पर 10 लाख से अधिक छात्रों ने सुझाव भी दिए। देश हर प्रकार से सामर्थ्यवान और विकसित बन सकता है।

देश का सपना हो रहा पूरा : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में सशक्त भारत बनाने की दिशा में काफी कार्य हुए हैं। कांग्रेस शासनकाल में देश की आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा पूरी तरह से चौपट थी। आसपास के छोटे-छोटे देश हमारे देश को ललकारा करते थे। हमारे देश में घुसपैठ होती थी। लेकिन श्री मोदी के नेतृत्व में इन 11 वर्षों में देश की सेना को सशक्त करने एवं सैन्य शक्ति को बढ़ाने की दिशा में कार्य हुआ है और सशक्त भारत और सुरक्षित भारत का सपना साकार हुआ।

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में हुई बैठक

भाजपा की कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक गतिविधियों कार्यक्रमों, योजनाओं व उपलब्धियों की समीक्षा की दृष्टि से बैठकों का आयोजन किया गया। बैठकों में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल और प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर मार्गदर्शन किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में सबसे पहले पुण्यश्लोका लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर जयंती और "संकल्प से सिद्धि : 11 साल बेमिसाल" अभियान समिति के साथ बैठक हुई और इन अभियानों के क्रियान्वयन और अब तक की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपाध्यक्ष किरण देव, अजय उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव, विजय शर्मा सहित प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय मौजूद थे।

बोधघाट परियोजना: बस्तर विकास के लिए जरूरी

बोधघाट परियोजना बस्तर की इंद्रावती नदी पर आधारित एक बहुउद्देशीय परियोजना है जिसकी शुरुआत 1980 में हुई थी। इसका प्रारंभिक उद्देश्य बिजली उत्पादन था लेकिन बाद में इसमें सिंचाई को भी शामिल किया गया। इस परियोजना का लक्ष्य दंतेवाड़ा सुकमा बीजापुर कांकेर नारायणपुर राजनांदगांव कवर्धा और मुंगेली जैसे जिलों में सिंचाई सुविधा प्रदान करना है। इसके अलावा इससे हाइड्रो पावर के माध्यम से बिजली उत्पादन भी किया जाएगा।

बोधघाट परियोजना को मिली हरी झंडी बस्तर में विकास की नई उम्मीद

अपने दिल्ली प्रवास के दौरान 45 साल से अधर में लटकी बोधघाट परियोजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चर्चा की। इस परियोजना से बस्तर सहित आधे छत्तीसगढ़ में सात लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और 125 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा। साथ ही, महानदी से जोड़ने के कारण छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों के किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा।

बोधघाट परियोजना बस्तर की इंद्रावती नदी पर आधारित एक बहुउद्देशीय परियोजना है, जिसकी शुरुआत 1980 में हुई थी। इसका प्रारंभिक उद्देश्य बिजली उत्पादन था, लेकिन बाद में इसमें सिंचाई को भी शामिल किया गया। इस परियोजना का लक्ष्य दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर, राजनांदगांव, कवर्धा और मुंगेली जैसे जिलों में सिंचाई सुविधा प्रदान करना है। इसके अलावा, इससे हाइड्रो पावर के माध्यम से बिजली उत्पादन भी किया जाएगा।

हालांकि, 1980 में केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए वन संरक्षण अधिनियम के कारण परियोजना को नए सिरे से अनुमति लेनी पड़ी। 1985 में एक बार फिर भारत सरकार से स्वीकृति मिली, लेकिन तब तक बस्तर में नक्सलवाद का उभार शुरू हो चुका था। इसके साथ ही स्थानीय ग्रामीणों ने जमीन अधिग्रहण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसके चलते यह परियोजना ठप हो गई। ।•••

सिंचाई और बिजली उत्पादन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि बोधघाट परियोजना से सात लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी, जिसमें दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जैसे बस्तर के जिले प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा, परियोजना के तहत हाइड्रो पावर प्लांट से 125 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा, जो छत्तीसगढ़ की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगा। परियोजना को महानदी से जोड़ने की योजना है, जिससे राजनांदगांव, कवर्धा और मुंगेली जैसे मैदानी इलाकों में भी पानी पहुंचेगा। इसके अतिरिक्त, परियोजना से चार लाख टन मत्स्य उत्पादन की भी संभावना है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा।

बदलते बस्तर के हम हो रहे साक्षी

विष्णु देव साय

करीब चार दशकों तक बस्तर वामपंथी उग्रवाद के साये में रहा। आज यह बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। आदिवासी बहुल इलाकों के लोगों के लिए लक्षित कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं रणनीतिक सुरक्षा अभियानों के कारण अब भय का स्थान उम्मीद की किरण ने ले लिया है।

छत्तीसगढ़ की आदिवासी विरासत से प्रेरित हमारी सरकार एक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध क्षेत्र बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, हम अपने लोगों की समृद्ध संस्कृति से प्रेरणा लेते हैं। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है— अगले साल मार्च तक दशकों से चले आ रहे उग्रवाद को खत्म करना और बस्तर के लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाना। हमारी सरकार 2023 में सत्ता संभालने के बाद से ही इस क्षेत्र के लोगों के साथ सीधे जुड़ाव को प्राथमिकता दे रही है। मैंने अब तक दर्जनों बार बस्तर का दौरा किया है और इस दौरान मुख्य रूप से स्थानीय जरूरतों को पूरा करने वाली योजनाओं को आकार देने का काम किया गया है।

ये दौरे प्रशासनिक कर्तव्यों से कहीं बढ़कर हैं। ये ग्रामीणों के साथ चलने, उनकी आकांक्षाओं को सुनने और यह सुनिश्चित करने के लिए दिल से किए गए प्रयास हैं कि प्रगति की बयार उनके दरवाजे तक पहुंचे। बस्तर की बहुसंख्यक आदिवासी आबादी का सरकार पर भरोसा तब और बढ़ गया जब उन्होंने देखा कि उनमें से ही एक व्यक्ति अब हमारा नेतृत्व कर रहा है और प्रशासनिक पहलों में ठोस नतीजे आ रहे है। इस जुड़ाव ने समुदायों को आश्वस्त किया है कि मेरी सरकार कार्रवाई करने और संघर्ष के घावों को भरने के लिए प्रतिबद्ध है।

कभी बारूद की तीखी गंध से महकती बस्तर की हवा में आज महुआ के फूलों की खुशबू है, जो आदिवासी जीवन का एक प्रतीक है। कभी सुनसान रहने वाले बाजार आज व्यापार के जीवंत केंद्र बन गए हैं। उग्रवादियों द्वारा बंद किए गए स्कूल अब छात्रों का स्वागत कर रहे हैं। सुकमा में 50 से अधिक प्राथमिक विद्यालय फिर से खोले गए हैं और सात नए स्कूल स्थापित किए गए हैं। कभी उग्रवादियों के कब्जे में रहने वाली सड़कें अब जीवन से गुलजार हैं

प्राथमिक विद्यालय फिर से खोले गए हैं और सात नए स्कूल स्थापित किए गए हैं। कभी उग्रवादियों के कब्जे में रहने वाली सड़कें अब जीवन से गुलजार हैं।

बस्तर में सामान्य स्थिति और विकास की यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए जगरगुंडा में इंडियन ओवरसीज बैंक की एक शाखा की स्थापना की गई है। यह एक सुदूर और ऐतिहासिक रूप से अस्थिर क्षेत्र है, जिसने दशकों तक उग्रवाद का सामना किया है। इस पहल से 12 गांवों के निवासियों को बैंकिंग

सुविधाओं तक पहुंच मिलेगी। बस्तर ओलंपिक के साथ-साथ बस्तर पंडुम जैसे पारंपरिक आदिवासी त्योहारों को धूमधाम से मनाना इस क्षेत्र की विरासत को संजोते हुए विकास को अपनाने की इच्छा को दर्शाता है। यह बदलाव केंद्र और राज्य के बीच सहयोग का नतीजा है।

पिछले 17 महीनों में 1,355 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर पुनर्वास तथा बेहतर जीवन का विकल्प चुना है। लगभग 1,429 अन्य को गिरफ्तार किया गया है तथा 420 से अधिक उग्रवादियों को मार गिराया गया है। उग्रवादियों का नेटवर्क काफी हद तक कमजोर हो गया है। राज्य पुलिस ने पाया है कि हिंसक घटनाओं में 40 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ की नई नीति – जो 120 दिनों के भीतर पुनर्वास की गारंटी देती है – हथियार छोड़ने वालों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने में मदद कर रही है। हमारी सरकार ने इस क्षेत्र के सुदूर गांवों तक आवश्यक सेवाओं की डिलीवरी को प्राथमिकता दी है। स्थानीय लोगों की सुरक्षा और विकास कार्यों के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए जा रहे हैं। फरवरी, 2024 में 20 करोड़ रुपये के बजट के साथ शुरू की गई नियद नेल्ला नार योजना, जिसे स्थानीय बोली में 'आपका अच्छा गांव' कहा जाता है, 130 माओवाद प्रभावित गांवों में आदिवासी परिवारों तक सीधे सरकारी योजनाएं पहुंचाती हैं। यहां मौजूद 61 सुरक्षा शिविरों को अब सुविधा केंद्रों में तब्दील किया गया है, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे पहलों को लागू करने में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। जगरगुंडा और चार अन्य स्थानों पर 25 वर्षों से बंद वन विभाग के कार्यालय फिर से खुल गए हैं, जिससे बस्तर के मुख्य वन क्षेत्रों में शासन व्यवस्था बहाल हो गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 50,000 से अधिक पक्के घर बनाए गए हैं, जिससे आदिवासी परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवनयापन का अधिकार मिला है। जल जीवन मिशन ने लगभग 1.2 लाख परिवारों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराया है, जिससे स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। हमारी सरकार एक ऐसे भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जहां बस्तर अवसरों के केंद्र के रूप में विकसित हो। 300 किलोमीटर से अधिक नई सड़कें निर्माणाधीन हैं, जो दूरदराज के गांवों को बाजारों और सेवाओं से जोड़ती हैं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और कौशल विकास केंद्र बस्तर के युवाओं को आधुनिक अर्थव्यवस्था में सफल होने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं

वन आधारित आजीविका के महत्व को समझते हुए हमारी सरकार ने तेंदूपत्ता की कीमत 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा कर दी है। ये प्रयास बस्तर के विविध आदिवासी समुदायों, जिनमें गोंड, मारिया और मुरिया शामिल हैं, की जरूरतों के हिसाब से किए गए हैं। जन आशीर्वाद यात्राओं और जनसंपर्क अभियानों जैसी पहलों के जरिए हमारी सरकार ने लोगों की शिकायतों को सुना है। कोंडागांव, बस्तर, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर सहित पूरे क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए बस्तर विकास प्राधिकरण के जरिए काफी धन आवंटित किया गया है। सुकमा जिले को अतिरिक्त संसाधन मुहैया कराए गए हैं।

हमारी सरकार एक ऐसे भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जहां बस्तर अवसरों के केंद्र के रूप में विकसित हो। 300 किलोमीटर से अधिक नई सड़कें निर्माणाधीन हैं, जो दूरदराज के गांवों को बाजारों और सेवाओं से जोड़ती हैं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और कौशल विकास केंद्र बस्तर के युवाओं को आधुनिक अर्थव्यवस्था में सफल होने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं। इकोटूरिज्म को बढ़ावा देकर और क्षेत्र की समृद्ध आदिवासी संस्कृति को प्रदर्शित करके हमारी सरकार का लक्ष्य स्थायी आजीविका का निर्माण करना है, साथ ही दुनिया को बस्तर की सुंदरता देखने के लिए आमंत्रित करना है।

हिंसा को कम करना, समुदायों को सशक्त बनाना और बुनियादी ढांचे का निर्माण नये बस्तर के निर्माण की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम हैं। वह दिन दूर नहीं जब वामपंथी उग्रवाद का दाग इस क्षेत्र से मिट जाएगा और इसके आदिवासी समुदाय विकास का जश्न मनाएंगे और एक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध भविष्य को अपनाएंगे। ।•••

बस्तर में विकास और शिक्षा को मिल रहा बढ़ावा : नरेन्द्र मोदी

'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ सैन्य मिशन नहीं, बल्कि बदलते भारत की तस्वीर हैः प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि माओवाद के खिलाफ सामूहिक लड़ाई के परिणाम सामने आ रहे हैं और इससे प्रभावित रह चुके क्षेत्रों में विकास एवं शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में कहा कि पहले माओवादी हिंसा की चपेट में रहे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में काटेझरी जैसे दूरदराज के गांवों में अब बस सेवा और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं संभव हो गई हैं।

दंतेवाड़ा की हुई चर्चा

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' की पिछली कड़ी में उन्होंने बस्तर ओलंपिक और माओवाद प्रभावित जिलों में विज्ञान प्रयोगशालाओं की सफलता पर चर्चा की थी। मोदी ने कहा, "यहां के बच्चे विज्ञान के प्रति जुनूनी हैं और खेलों में कमाल कर रहे हैं। ये प्रयास हमें बताते हैं कि इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग साहसी हैं। कई चुनौतियों के बावजूद उन्होंने ऐसा रास्ता चुना है जो उनके जीवन को बेहतर बनाता है।" सरकार ने कहा है कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुकी है और उसने अगले साल 31 मार्च तक इस खतरे को खत्म करने का संकल्प व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के काटेझरी गांव का जिक्र करते हुए कहा, "बस से यात्रा करना आम बात है लेकिन मैं आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताना चाहता हूं, जहां पहली बार बस आई। वहां के लोग इस दिन का वर्षों से इंतजार कर रहे थे और जब पहली बार गांव में बस आई, तो लोगों ने ढोल-नगाड़े बजाकर उसका स्वागत किया।" उन्होंने छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा क्षेत्रों में विज्ञान प्रयोगशालाओं जैसी शैक्षणिक सुविधाओं के प्रसार का भी उदाहरण दिया। मोदी ने कहा, "मुझे यह जानकर खुशी हुई कि कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम शानदार रहे।" उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा जिला 95 प्रतिशत परिणामों के साथ 10वीं कक्षा की परीक्षा में छत्तीसगढ़ में शीर्ष स्थान पर रहा और इसने 12वीं कक्षा की परीक्षा में राज्य में छठा स्थान प्राप्त किया।

'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ सैन्य मिशन नहीं, बल्कि बदलते भारत की तस्वीर हैः मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' महज एक सैन्य मिशन नहीं है, बल्कि यह "बदलते भारत की तस्वीर" है जो वैश्विक मंच पर देश के संकल्प, साहस और बढ़ती ताकत को दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, "आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, गुस्से से भरा हुआ है और दृढ़ संकल्पित है।" मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया और इसे भारत की बढ़ती ताकत एवं उद्देश्य की स्पष्टता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, " 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में नए आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार किया है।" उन्होंने सीमा पार आतंकवादी ढांचे पर भारतीय सेना द्वारा किए गए सटीक हमलों को "असाधारण" बताकर उनकी प्रशंसा की।

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि यह 'ऑपरेशन' एक बार की सैन्य कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह बदलते एवं दृढ़ संकल्पित भारत का प्रतिबिंब है। उन्होंने 'ऑपरेशन' के देश भर में पड़े प्रभाव पर बात करते हुए कहा, "ऑपरेशन सिंदूर हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है।" 'ऑपरेशन' की सफलता के बाद लोगों ने सशस्त्र बलों के सम्मान में सोशल मीडिया पर देशभक्ति की कविताएं साझा कीं, बच्चों ने चित्रकारी की और विशाल तिरंगा यात्रा निकालने जैसे कई तरह के कदम उठाए गए।

मोदी ने कहा, "कई शहरों में युवाओं ने नागरिक सुरक्षा के लिए स्वेच्छा से काम किया, कविताएं लिखीं, संकल्प के गीत गाए और बच्चों ने मजबूत संदेश देने वाली चित्रकारी की।" उन्होंने बीकानेर की अपनी हालिया यात्रा के बारे में बात की, जहां उन्हें बच्चों द्वारा की गई

मन की बात से जुड़ रहा समूचा राष्ट्रः देव

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व विधायक किरण देव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 122 संस्करण शहर के सदर वार्ड में बूथ क्रमांक 107 में कार्यकर्ताओं व गणमान्य नागरिकों के साथ सुना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में बदलते बस्तर का जिक्र करते हुये दंतेवाड़ा जिले के छात्र छात्राओं द्वारा 10वीं-12वीं परीक्षा में शानदार प्रदर्शन की सराहना की। यह हम सभी बस्तर वासियों के लिये गौरव की बात है। छत्तीसगढ़ सहित हमारा बस्तर नितदिन विकास की ओर अग्रसर हो रहा है।

चित्रकारी उपहार में दी गई थी। मोदी ने कहा, "कटिहार और कुशीनगर जैसे शहरों में परिवारों ने 'ऑपरेशन' के सम्मान में अपने नवजात शिशुओं का नाम 'सिंदूर' रखा।" प्रधानमंत्री ने मिशन की सफलता का श्रेय भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को दिया।

उन्होंने कहा, "यह हमारे सैनिकों की परम वीरता थी, जिसे भारत में बने हथियारों, उपकरणों और प्रौद्योगिकी की शक्ति से मदद मिली।" मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद 'वोकल फॉर लोकल' अभियान के प्रति पूरे देश में नयी ऊर्जा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मिशन ने न केवल देशभक्ति को प्रेरित किया है, बल्कि आत्मनिर्भरता की भावना को भी मजबूत किया है। उन्होंने कहा, "इस जीत में हमारे इंजीनियरों, तकनीशियनों और योगदान देने वाले हर नागरिक का पसीना है।"

शेरों की आबादी 674 से बढ़कर 891 होना 'बहुत उत्साहजनक': प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि गुजरात के गिर वन में एशियाई शेरों की आबादी सिर्फ पांच साल में 674 से बढ़कर 891 हो गई है और यह ह्लबहुत उत्साहजनकह्व वृद्धि है। मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 122वीं कड़ी में इस सफलता का श्रेय क्षेत्र के लोगों के सामूहिक प्रयासों और आधुनिक तरीकों के उपयोग को दिया।

उन्होंने कहा, "शेरों की गणना के बाद सामने आई शेरों की यह संख्या बहुत उत्साहवर्धक है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 जिलों में 35,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में की गई गणना में शेरों की संख्या का पता चला है। उन्होंने कहा कि कवायद में शामिल टीमों ने चौबीस घंटे काम किया, ताकि सटीक परिणामों का सत्यापन और 'क्रॉस-सत्यापन' सुनिश्चित किया जा सके।

मोदी ने स्थानीय समुदायों की भागीदारी और गुजरात में वन अधिकारियों के रूप में महिलाओं की भर्ती की प्रशंसा करते हुए कहा, "एशियाई शेरों की आबादी में वृद्धि दर्शाती है कि जब समाज में स्वामित्व की भावना मजबूत होती है, तो आश्चर्यजनक परिणाम सामने आते हैं।" प्रधानमंत्री ने 20 मई को मनाए जाने वाले विश्व मधुमक्खी दिवस के महत्व के बारे में भी बात की और शहद को स्वास्थ्य, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, "पिछले 11 वर्षों के दौरान भारत में मधुमक्खी पालन में एक क्रांति आई है।" उन्होंने कहा कि शहद का उत्पादन लगभग 70-75 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर लगभग 1.25 लाख मीट्रिक टन सालाना हो गया है और यह लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि है।

मोदी ने पेड़ की सूखी छाल से सुंदर कलाकृतियां बनाने वाले उत्तराखंड के कलाकार की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीड़ के पेड़ों से गिरने वाली सूखी छाल से सुंदर कलाकृतियां बनाने वाले उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी जीवन जोशी की रविवार को सराहना की। जोशी 65 साल के हैं और वह विशिष्ट रूप से सक्षम व्यक्तियों की श्रेणी में आते हैं।

मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा, "आज मैं आपको एक ऐसे शानदार व्यक्ति के बारे में बताना चाहता हूं जो एक कलाकार भी हैं और जीती-जागती प्रेरणा भी। उनका नाम जीवन जोशी है। अब सोचिए जरा, जिनके नाम में ही जीवन हो, वह कितनी जीवंतता से भरे होंगे।" बचपन में पोलियो ने उनके पैरों की ताकत छीन ली थी, लेकिन उनके हौसलों को नहीं छीन पाया।

मोदी ने कहा, "उनके चलने की रफ्तार भले कुछ धीमी हो गई, लेकिन उनका मन कल्पना की हर उड़ान उड़ता रहा। इसी उड़ान में, जीवन जी ने एक अनोखी कला को जन्म दिया, नाम रखा 'बगेट'। इसमें वह चीड़ के पेड़ों से गिरने वाली सूखी छाल से सुंदर कलाकृतियां बनाते हैं।" जोशी की प्रेरणादायक कहानी ने हाल ही में 'पीटीआई वीडियो' द्वारा उनके जीवन पर आधारित एक वीडियो जारी किए जाने के बाद लोगों का ध्यान आर्किषत किया। वीडियो में उनके जीवन, कलात्मक प्रक्रिया और चुनौतियों को दर्शाया गया था।

वीडियो में जोशी के कामकाज को दर्शाया गया है। इसमें देखा जा सकता है कि वह जंगल के रास्तों पर गिरी हुई छालों को इकट्ठा कर रहे हैं और उनसे ढोल, दमाऊ एवं पहाड़ी मंदिरों जैसी लघु सांस्कृतिक कलाकृतियां बना रहे हैं तथा अपने अनूठे शिल्प के जरिये उत्तराखंड की विरासत को संरक्षित कर रहे हैं। जोशी ने वीडियो में बताया कि ये कलाकृतियां पर्यावरण को बचाने का एक जरिया हैं और उन्हें उम्मीद है कि उनकी कला युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी। ।•••

भारतीय जनसंघ ही क्यों?

भारतीय जनसंघ के प्रथम वार्षिक अधिवेशन (कानपुर, 29 दिसंबर, 1952) में तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी द्वारा दिए गए उद्बोधन के अंश।

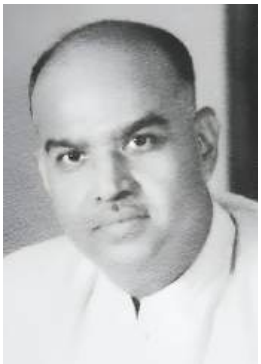

डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी
6 जुलाई 1901-23 जून 1953

कांग्रेस ही उस समय सर्वाधिक संगठित राजनीतिक दल था और राज्यसत्ता भी उसी के हाथ में थी। ऐसी दशा में प्रतियोगी दलों की अधिकता तथा स्वतंत्र उम्मीदवारों की बहुतायत के कारण उसे ही सफलता प्राप्त हुई, यद्यपि अनेक स्थानों पर बहुमत का निर्णय उसके विरुद्ध रहा। देश के अनेक स्थानों में सत्तारूढ़ दल पर चुनावों में, विशेषकर मतदान और परिणामों की घोषणा के बीच, अनीति और अनियमितता के भारी आक्षेप किए गए।

भारतीय जनसंघ के इस प्रथम वार्षिक अधिवेशन पर मैं आप सबका हार्दिक स्वागत करता हूं। आगामी वर्ष के लिए सर्वसम्मति से अपना प्रधान चुनकर आपने मेरे प्रति जो विश्वास प्रकट किया है उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। एक अखिल भारतीय राजनीतिक दल के रूप में भारतीय जनसंघ का उदय केवल गतवर्ष के अक्टूबर मास की घटना है। उस समय देश के विभिन्न भागों से प्रतिनिधिगण दिल्ली में एकत्रित हुए थे और उन्होंने देश के समक्ष उपस्थित समस्याओं तथा राष्ट्र की एकता व उत्थान में आने वाली बाधाओं पर विचार किया गया था। अपने जन्म के दो मास के ही अन्दर इस दल ने वयस्क मताधिकार पर आधारित साधारण चुनावों में भाग लेना निश्चित किया। साधनों के अभाव तथा तैयारी की कमी को देखते हुए यह एक साहस का कार्य था। इसका परिणाम असंदिग्ध रूप से निराशाजनक रहा। कांग्रेस ही उस समय सर्वाधिक संगठित राजनीतिक दल था और राज्यसत्ता भी उसी के हाथ में थी। ऐसी दशा में प्रतियोगी दलों की अधिकता तथा स्वतंत्र उम्मीदवारों की बहुतायत के कारण उसे ही सफलता प्राप्त हुई, यद्यपि अनेक स्थानों पर बहुमत का निर्णय उसके विरुद्ध रहा। देश के अनेक स्थानों में सत्तारूढ़ दल पर चुनावों में, विशेषकर मतदान और परिणामों की घोषणा के बीच, अनीति और अनियमितता के भारी आक्षेप किए गए। इससे निर्वाचन नियम और विधियों में संशोधन की महती आवश्यकता प्रकट होती है। इतने पर भी हम जनसंघ का संदेश कितने ही प्रदेशों के कोने-कोने तक पहुंचाने में सफल हुए और सर्वसाधारण जनता का जो समर्थन हमें प्राप्त हुआ यह पर्याप्त उत्साहवर्धक था। यद्यपि अधिकांश स्थानों पर चुनाव का परिणाम हमारे प्रतिकूल गया, तो भी संसद और विधान सभाओं के लिए हमारे उम्मीदवारों को लगभग 70 लाख मत प्राप्त हुए। देश के विभिन्न भागों में यात्रा करते हुए मुझे सर्वसाधारण के मन पर यह अंकित करने का अवसर प्राप्त हुआ कि जनसंघ का जन्म केवल चुनाव लड़ने मात्र के लिए नहीं हुआ है, अपितु इसका उद्देश्य एक विशाल आधार पर अपना स्थायी संगठन करने का है जिससे यह भारत की भावी उन्नति में सक्रिय हाथ बंटा सके। चुनावों के परिणाम से उत्पन्न स्वाभाविक निराशा के वातावरण का परिमार्जन करने के लिए हमें विशेष उद्योग करने पड़े। यह प्रयत्न सफल हुए हैं यह इसी बात से स्पष्ट है कि हमारे प्रथम वार्षिक अधिवेशन में इतनी बड़ी संख्या में प्रतिनिधि एकत्र हैं। मुझे यह आशा ही नहीं अपितु विश्वास है कि हम अपनी शक्ति तथा साधनों को संगठित कर सकेंगे और हमारा यह दल शीघ्र ही जनता के हृदय में अपना स्थान बना लेगा।

राष्ट्रीय दृष्टिकोण

जनसंघ की विचारधारा तथा कार्यक्रम की रूपरेखा का निर्माण इसके जन्म के पश्चात् शीघ्र ही हो गया था। इनमें हमारे देश की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं अंतरराष्ट्रीय, सभी मूलभूत समस्याओं पर विचार किया गया था। हमारे विचारधारा तथा कार्यक्रम पर होने वाली आलोचना तथा समाज की बदलती हुई आवश्यकताओं पर विचार करते हुए समय-समय पर हमने इनमें परिवर्तन भी किया है। जाति, मत अथवा संप्रदाय, किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना हमारा यह दल सभी के लिए खुला है। स्वतंत्र भारत में किसी भी राजनीतिक दल की सदस्यता को जाति, संप्रदाय अथवा मतादि के आधार पर खड़ा करना एक घातक भूल होगी। बिना किसी भी भेदभाव के भारतीय नागरिक के अधिकारों की समानता भारत के संविधान का आधार है जो कि प्रत्येक जनतंत्रवादी देश के लिए आवश्यक है। पाकिस्तान द्वारा अपने संविधान को, जिसमें अल्पसंख्यकों के अधिकार भी सन्निहित हैं, इस्लामी कानून तथा साम्प्रदायिक भेदभाव के आधार पर बनाने का प्रस्ताव उसकी प्रतिगामी प्रवृत्तियों को नग्न रूप में प्रस्तुत करता है।

अनेक शताब्दियों से भारत विभिन्न मत-मतान्तरों

को मानने वाले लोगों की मातृभूमि रहा है। उनके व्यक्तिगत आचारधर्म की, विशेषकर उपासना और आधारभूत सामाजिक कर्तव्यों संबंधी, सुरक्षा और सम्मान की आवश्यकता निर्विवाद है। नागरिक अधिकार तथा कर्तव्यों में सब समान हैं। स्वस्थ और प्रगतिशील सहयोग का भाव उत्पन्न करते हुए हम समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलें। यह पारस्परिक सहिष्णुता, सद्भाव और अवसर की सच्ची समानता से ही संभव होगा। हमारे दल का द्वार बिना किसी प्रकार के जाति अथवा मत संबंधी भेदभाव के उन सभी के लिए खुला है जो हमारे कार्यक्रम तथा विचारधारा में विश्वास रखते हैं। यदि कुछ वर्ग हमारे साथ आना नहीं चाहते तो भी हम सर्वसाधारण जनता की सद्भावना तथा सहयोग लेकर आगे बढ़ेंगे। कांग्रेस की सबसे बड़ी भूल यह भी कि स्वराज्य प्राप्ति के लिए उसने बनावटी हिन्दू-मुस्लिम एकता पर आवश्यकता से अधिक बल दिया। फलस्वरूप मुसलमानों का सहयोग प्राप्त करने के लिए कांग्रेस को राष्ट्र के हित में घातक समझौते पर समझौते स्वीकार करने पड़े। अन्त में जिन विघटनकारी वृत्तियों को कांग्रेस ने तुष्टीकरण के द्वारा जीतना चाहा था, उन्होंने कल्पनातीत भयंकर रूप धारण किया और उसका परिणाम देश का विभाजन हुआ। उपासना पद्धति को राष्ट्रीयता का आधार बनाने, या मतपरिवर्तित व्यक्तियों अथवा उनके वंशजों द्वारा मजहब के आधार पर देश का सफलतापूर्वक विभाजन कराने की घटना और कहीं नहीं सुनी। जनसंघ का मत है कि विभाजन से जनता को कोई लाभ नहीं हुआ है, न भारत में, न पाकिस्तान में। इससे देश प्रत्येक प्रकार से दुर्बल हुआ है। यही नहीं, जिस समस्या को हल करने के लिए विभाजन स्वीकार किया गया था वही और अधिक भयंकर हो गई है और एक शान्तिपूर्ण हल निकल नहीं पा रहा है। अतः हमारे सामने अखंड भारत कोई अवास्तविक स्वप्न अथवा नारा मात्र नहीं है। यह हमारी श्रद्धा का विषय है और वह लक्ष्य है जो जनता के सहयोग और समझ से प्राप्त होगा ही।

सुव्यवस्थित अर्थ-व्यवस्था

हमारा यह विश्वास है कि भारतीय संस्कृति तथा सभ्यता की सर्वोच्च परम्परा के अनुरूप जनता के चारित्रिक तथा मानसिक विकास एवं भारत की पूर्ण आर्थिक उन्नति, इन दोनों के समन्वय पर ही देश की भावी उन्नति आधारित है। आर्थिक स्वातन्त्र्य के बिना जो राजनीतिक स्वातन्त्र्य हमने प्राप्त किया है वह निरर्थक होगा। यह एक अत्यन्त दुःखदायी स्थिति है कि भारत जैसा विशाल देश अपने प्रायः असीम प्राकृतिक साधनों तथा कच्चे माल के होते हुए दारिद्र्य, रोग, अविद्या तथा पतन के गर्त में पड़ा रहे। हमारे दल का यह विश्वास है कि देश को हिंसात्मक अशान्ति तथा विग्रह में बिना झोंके हुए भी हमारे लिए यह सम्भव है कि जनता के आर्थिक शोषण और मूक वेदनाओं का अन्त कर हम अपने जीवन को सुव्यवस्थित कर सकें। अतः भूमि और कृषि, छोटे-बड़े और बीच के उद्योगों का संगठित विकास, तथा उत्पादन वृद्धि और उचित वितरण, आदि विभिन्न क्षेत्रों के सम्बन्ध में जनसंघ का दृष्टिकोण यथार्थवादी और प्रगतिशील है। अवसर की सच्ची समानता तब तक सम्भव नहीं जब तक कि जनता के निर्धन तथा पिछड़े हुए वर्गों को उचित शैक्षणिक एवं आर्थिक सुविधायें प्राप्त न हों ताकि उनकी वे भारी कमियां दूर हो सकें जिनसे वे आज त्रस्त हैं।

आध्यात्मिक पुनर्जागरण

हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि केवल आर्थिक विकास न तो मनुष्य के अन्तःकरण को पूर्ण शान्ति दे सकता है और न उसके दृष्टि की पूर्ण प्राप्ति में सहायक होता है। भारत ने उन मनः प्रवृत्तियों को जन्म दिया है जो उन्नति और प्रगति का दावा करने वाले अनेक देशों से भिन्न उसकी अपनी विशेषता है। जीवन में सादगी, सेवा और त्याग का भाव, संतोष तथा निःस्वार्थ, निःस्पृहता का दृष्टिकोण, बन्धुत्व एवं पावित्र्य का भाव, शक्ति और विनम्रता, सहिष्णुता तथा ऐक्य का योग अनादि काल से सुसंस्कृत मानवीय आचार का आदर्श रहा है। हमारा देश अच्छाई तथा बुराई का एक विचित्र सम्मिश्रण है। मानव जीवन के गूढ़तम रहस्यों का उद्घाटन करने वाले सत्य को यहां अति सरल ढंग से उदार हृदय होकर प्रकट किया गया है। इन सत्यों को आचरण में प्रकट करने वाले इक्के-दुक्के उदाहरण अवश्य मिलते हैं, किन्तु इन महान् शिक्षाओं के साथ अधिकांश लोगों के आचरण की संगति कठिनाई अवश्य पहुंचाएगा। प्रश्न केवल यह है कि यदि हम इसी गति से चलते रहे और दशा को अधिकाधिक बिगड़ने दिया तो क्या पीड़ित जनता का धैर्य अटूट बना रहेगा और क्या वे सदा ही इसी प्रकार चुपचाप सहन करते रहेंगे? यदि सरकार द्वारा अपने कर्तव्यपालन में असफल होने पर जनक्षोभ उसके विरोध में एक बार भी भड़क उठा तो हमें बहुत अधिक धन-जन की हानि उठानी पड़ेगी, जो शायद अन्यथा बचाई जा सकती है।

इस योजना के इसी रूप में भी पूर्ण होने के सम्बन्ध में कुछ चेतावनी के शब्द कह देना आवश्यक है। इसको क्रियान्वित करने के लिए बनाई गयी व्यवस्था पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। यह आवश्यक है कि इस उद्देश्य के लिए ऐसे ही लोगों का चुनाव हो जो पूर्ण योग्य हों और जिनमें हृदय की विशालता तथा सेवा का भाव हो। इन गुणों के कारण वे केवल वेतन प्राप्त कर्मचारी न होकर, योजनाबद्ध राष्ट्रीय विकास के नवीन युग को लाने वाले निमित्त होंगे। अतः उनका चुनाव पक्षपात, संरक्षकता अथवा दलगत भावनाओं के अनुसार कदापि नहीं होना चाहिए। किसी भी संगठित योजना की सफलता के लिए सार्वजनीन सहयोग का सच्चा वातावरण आवश्यक है। इतने गाने-बाजे से स्थापित किए गये 'भारत सेवक समाज' की प्रगति भी एक दल-निरपेक्ष संगठन के रूप में नहीं हो रही है। इसके अतिरिक्त आज के सत्ताधारियों द्वारा योजना का दुरुपयोग अपने दलीय स्वार्थों के लिए किए जाने की भी बहुत गुंजाइश तथा संभावना है। यदि ऐसा हुआ तो इससे न केवल नितान्त आवश्यक सार्वजनीन सहयोग तथा उत्साह पूर्णतः समाप्त हो जाएगा, वरन् इस योजना को चलाने की सारी व्यवस्था ही दूषित हो जाएगी और इस प्रकार इसकी सफलता के सभी अवसर नष्ट हो जायेंगे। योजना के अनुसार राज्य के द्वारा उठाये गये किसी भी निर्णय, कार्य के ऊपर आदि से अन्त तक कठोर देखरेख रखना आवश्यक होगा। राज्य के द्वारा उठाये गये कुछ कार्यों में अच्छी सफलता मिली है, उदाहरणार्थ सिन्दरी का खाद का कारखाना, चितरंजन लोकोमोटिव फैक्टरी, दामोदर घाटी कारपोरेशन आदि। इसका यह अर्थ कदापि नहीं होता कि सामान की बरबादी और अन्य अनियमितता तथा भूलें जो पहले हो चुकी हैं, फिर भविष्य में भी दोहराई जायें। ।•••

सदैव सबके स्मृति में रहेंगी लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर: मुख्यमंत्री साय

रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संगोष्ठी में राजमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदानों को स्मरण करते हुए उन्हें भारत की सांस्कृतिक एकता और सुशासन का प्रतीक बताया। उन्होंने रानी अहिल्याबाई होल्कर के करीब 30 वर्षों के शासन को प्रजा कल्याण, राष्ट्र निर्माण और न्याय का स्वर्ण युग कहा गया था। उन्होंने कहा कि इंदौर की महारानी होने के बावजूद राजमाता ने स्वयं को किसी एक भौगोलिक सीमा में नहीं बांधा। उन्होंने देशभर में मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण कराया। उन्होंने रामराज्य की अवधारणा को साकार करते हुए तीन दशकों तक होल्कर राजवंश का नेतृत्व किया। उनका समग्र जीवन सनातन के संरक्षण को समर्पित रहा।

अहिल्याबाई मातृ शक्ति की प्रतीक : देव

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष नारायण चंदेल ने भी संगोष्ठी में रानी अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व, कार्यों और उनके शासन काल की विशेषताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने सुशासन, न्यायप्रियता एवं लोक कल्याणकारी कार्यों के माध्यम से भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है।

संगोष्ठी के माध्यम से आज हम उनके विचारों का स्मरण कर रहे हैं। उनके कार्य हमें सामाजिक समरसता और जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। यह संगोष्ठी आज की पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

लोकमाता सबकी प्रेरणादायी : पटेल

इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री व कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1767 से 1795 तक अपने 28 वर्षों के शासन काल में धर्मसत्ता और न्यायसत्ता की आवाज बुलंद की। उन्होंने अपने जीवन में तमाम विपत्तियों के बीच अनेक अनुकरणीय कार्य किए। उन्होंने अपने शासन काल में सार्वजनिक धन और राजकोष के सदुपयोग की मिसालें कायम की। राजसत्ता की कोई राशि कभी अपने लिए खर्च नहीं की। श्री पटेल ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर अपने पति के निधन के बाद कभी राजमहल में नहीं रहीं। झोपड़ी में अपना जीवन बिताया। न्याय के लिए उन्होंने अपने पुत्र को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी।

सनातनी, नारी शक्ति सशक्तीकरण व सुशासन की मिसाल थीं अहिल्याबाई : साव

रायपुर के सर्किट हाउस में रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन पर केंद्रीत गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर बहुत बहादुर, धैर्यवान, क्षमतावान और हौसलेमंद महिला थी। इन गुणों की बदौलत उन्होंने अपने जीवन में आए संघर्षों और समस्याओं का डटकर सामना किया। प्रजापालक के रूप में अपने दायित्वों का पूरी क्षमता और कुशलता से निर्वहन किया। वे राजकाज के कार्यों के साथ ही युद्ध कौशल में भी प्रवीण थीं। उनका पूरा जीवन हम सबके लिए बहुत प्रेरणादायी है।

उन्होंने अपने जीवन में तमाम आघातों और विपरीत परिस्थितियों के बीच कुशलता से राजकाज संचालित किया और अनेक कल्याणकारी कार्य किए। केवल इंदौर तक ही सीमित न रहकर उन्होंने पूरे देश में धर्मशालाएं, मंदिर और घाट बनवाए। प्रजा को अपनी संतान मानकर उनके लिए बेहद संवेदनशीलता से कार्य किए। बालिकाओं को पढ़ाई और विधवा महिलाओं को संतान गोद लेने के अधिकार दिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संगोष्ठी में राजमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदानों को स्मरण करते हुए उन्हें भारत की सांस्कृतिक एकता और सुशासन का प्रतीक बताया। उन्होंने रानी अहिल्याबाई होल्कर के करीब 30 वर्षों के शासन को प्रजा कल्याण, राष्ट्र निर्माण और न्याय का स्वर्ण युग कहा। उन्होंने कहा कि इंदौर की महारानी होने के बावजूद राजमाता ने स्वयं को किसी एक भौगोलिक सीमा में नहीं बांधा।

प्रदेशभर में हुआ सफल आयोजन : चंदेल

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर आयोजन समिति के प्रमुख नारायण चंदेल ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर साधारण परिवार में पैदा होने वाली असाधारण महिला थी। अपने कार्यों से उन्होंने वीरांगना, लोकमाता और राजमाता का दर्जा हासिल किया। अपने शासन काल में राज्य और प्रजा के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वहन किया। उन्होंने सुशासन और परोपकार के नए प्रतिमान स्थापित किए। आज से 300 साल पहले उन्होंने पेयजल और भू-जल रिचार्ज सुनिश्चित करने के कार्य किए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में बड़े उत्साह के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिसमें पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता व आमजनों ने हिस्सा लिया। जिसके लिए उन्होंने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर सर्वगुण संपन्न, प्रजाहितैषी और न्यायप्रिय शासक थी। उनके गौरवशाली जीवन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन के विविध पक्षों से जुड़कर आप अपने जीवन को और सफल बना सकते हैं। |•••

छत्तीसगढ़ को मिली पांच अमृत स्टेशनों की सौगात

राज्य में रेल यात्रा और भी होगी सुगम और सरल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के पांच अमृत स्टेशन सहित देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इन स्टेशनों का उन्नयन यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। छत्तीसगढ़ के जिन अमृत स्टेशनों का उद्घाटन हुआ उनमें बिलासपुर मंडल का अम्बिकापुर स्टेशन, रायपुर मंडल का उरकुरा, भिलाई एवं भानुप्रतापपुर स्टेशन तथा नागपुर मंडल का डोंगरगढ़ स्टेशन शामिल हैं। स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं, आकर्षक डिजाइन और सांस्कृतिक वातावरण के साथ यात्रियों के लिए विशेष अनुभव के रूप में तैयार किया गया है।

सीएम साय ने माना आभार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आदिवासी बहुल सरगुजा जिले का मुख्यालय अंबिकापुर सहित छत्तीसगढ़ के 05 रेल्वे स्टेशन अब रेल्वे मानचित्र में प्रमुख स्टेशन के रूप में शामिल हो गए हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में अमृत स्टेशनों के सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रेलवे हमारे देश की जीवन रेखा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों का विकास हो रहा है। जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा 1680 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए हैं।

हाईटेक होंगे रेलवे स्टेशन

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में कुल 1337 स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिनमें से पूर्ण हुए 103 अमृत स्टेशनों का लोकार्पण किया गया है। इन स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप दिया गया है। साथ ही स्थानीय लोक कला, संस्कृति और परंपराओं को भी स्टेशन डिजाइन में स्थान दिया गया है। इन अमृत स्टेशनों में उपलब्ध सुविधाओं में भव्य प्रवेश द्वार, आकर्षक साज-सज्जा, हाई मास्ट लाइटिंग, आधुनिक प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, मॉर्डन टॉयलेट, दिव्यांगजन के लिए सुगम रैंप, प्लेटफॉर्म शेल्टर, कोच इंडिकेशन सिस्टम और डिजिटल डिस्प्ले आदि शामिल हैं। ●●●

'विकसित छत्तीसगढ़' के लिए विश्वसनीय विष्णु

जय प्रकाश मिश्र

प्रदेश की जनता ने जिस शर्त पर पूर्व की सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया और मुख्यमंत्री विष्णु देव सरकार को बैठाया उसमें पहली शर्त भ्रष्टाचार पर लगाम एवं प्रशासनिक कसावट थी। श्री साय ने एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले पर कार्रवाई की। प्रशासनिक अधिकारियों को दो टूक में कह दिया कि भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे और जनता के साथ सीधे संवाद करें और उनका हर संभव समाधान करें।

छत्तीसगढ़ में आज से करीब 16 माह पहले राज्य की कमान श्री विष्णुदेव साय ने संभाली। राज्य को सहज, सरल और सौम्य स्वभाव का मुख्यमंत्री मिला। जनता को 'विकसित छत्तीसगढ़' के लिए 'विश्वसनीय विष्णु' मिले। केंद्रीय नेतृत्व ने श्री साय के साथ दो उप मुख्यमन्त्री भी दिये और केबिनेट में वरिष्ठ सहयोगी भी और अपेक्षाकृत नए मंत्री भी ।श्री साय ने अनुभव का लाभ लिया ,नये सहयोगियों को प्रोत्साहन। परिणाम आज प्रदेश न केवल प्रशासन, शासन में अपितु संगठन में भी समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है ।

सामान्यतः राजनीति में एक आम धारणा रहती है कि राज्य को कड़क व्यक्तित्व का व्यक्ति ही चला सकता है। लेकिन, ठीक इसके विपरीत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय अपनी सौम्यता के साथ प्रदेश की जनता को 'अमृत कालः छत्तीसगढ़ विजन @2047' समर्पित कर दिया। 2047 तक छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में जनता के सामने एक रूपरेखा रख दिया है।

प्रदेश की जनता ने जिस शर्त पर पूर्व की सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया और मुख्यमंत्री विष्णुदेव सरकार बैठाया उसमें पहली शर्त भ्रष्टाचार पर लगाम एवं प्रशासनिक कसावट थी। श्री साय ने एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले पर कार्रवाई की। प्रशासनिक अधिकारियों को दो टूक में कह दिया कि भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे और जनता के साथ सीधे संवाद करें और उनका हर संभव समाधान करें।

छत्तीसगढ़ में वैसे तो पूर्व की सरकारों ने जनता से संवाद स्थापित करने के लिए लोक सम्पर्क अभियान, ग्राम सुराज अभियान, भेंट-मुलाकात जैसे कई कार्यक्रम किए हैं, मगर संवाद से समाधान तक सुशासन तिहार अभियान सबसे अनूठा है। ज्येष्ठ की चिलचिलाती दोपहरी में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय अचानक किसी भी गांव पहुंच जाते हैं। खेत-खलिहान हो बाग-बगीचे में जनता से 'गोठियाते' और 'दुखियामन' के 'दुख-पीरा' सुनते हैं और समाधान करते हैं। कई बार जिले के प्रशासनिक अमले तक को यह पता भी नहीं चलता है कि मुख्यमंत्री का उड़न खटोला कहां उतरने वाला है। इसका नतीजा यह हुआ है कि मुख्यमंत्री से जनता खुल के अपना सुख-दुख बांट रही है।

सुशासन तिहार छत्तीसगढ़ के लिए वाकई में एक उत्सव की तरह रही। सरकार ने इस तिहार को तीन चरण में आयोजित किया। पहले चरण में प्रदेश की जनता से उनकी समस्याओं, जरूरतों, शिकायतों से जुड़े आवेदन समाधान पेटियों के माध्यम से लिए गए। दूसरे चरण में निर्धारित समय सीमा में समाधान किए गए और तीसरे चरण में आवेदनों पर की गई कार्रवाई की जानकारी दी गई।

राज्य सरकार को सुशासन तिहार के दौरान बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं। आवेदनों के विश्लेषण करने पर यह पता चलता है कि महज दो प्रतिशत लोगों की ही शिकायतें हैं। 98 प्रतिशत लोग राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं की मांग कर रहे हैं। सरकार से राज्य की जनता प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला गैस जैसी योजनाओं की मांग कर रही है।

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री का जनता के साथ सीधा संवाद में सुशासन को केंद्र में रखकर 'विकसित छत्तीसगढ़' की परिकल्पना में संवाद से समाधान एक महत्वपूर्ण कड़ी रही। संवाद से न सिर्फ जनता और सरकार के बीच दूरी कम हुई है, बल्कि राज्य के तमाम जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस और कर्मचारी को स्पष्ट संदेश भी है कि जब राज्य का मुखिया स्वयं जनता के बीच जाकर जनता के साथ संवाद कर रहे हैं तो प्रदेश में और अधिक बेहतर वातावरण का निर्माण हुआ है। ।•••

लेखक स्वदेश समाचार समूह के स्थानीय संपादक हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह से मुलाकात

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर उन्हें बस्तर अंचल में चल रहे माओवादी विरोधी अभियानों की सफलता और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। गृहमंत्री श्री शाह ने छत्तीसगढ़ ने माओवादी उन्मूलन की दिशा में निर्णायक बढ़त की सराहना की। केंद्रीय गृह मंत्री के मार्गदर्शन में राज्य शांति, सुरक्षा और समृद्धि के पथ पर तेजी से अग्रसर है।

विकसित भारत का सपना हो रहा पूरा : चंद्रशेखर

पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। विकसित भारत के अमृत काल में भाजपा संगठन द्वारा अलग-अलग स्तर पर वृहद अभियान चलाकर संकल्प सभा के साथ-साथ अन्य कार्यक्रम में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। भाजपा सरकार द्वारा सेवा और सुशासन के माध्यम से विभिन्न सुशासन योजनाओं का सफल क्रियान्वयन भी हो रहा है, जिसमें अंत्योदय की परिकल्पना के अनुसार अंतिम छोर के व्यक्ति को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने तथा महिला केंद्रित योजनाओं से महिला सशक्तीकरण की दिशा में सार्थक प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में भाजपा की भूमिका सदैव अग्रणी रही है और राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ की विकास में भाजपा की सरकारों ने महत्वपूर्ण कार्य किया है और सदैव छत्तीसगढ़ की विकास के लिए हम समर्पित हैं।

जनसमृद्धि को समर्पित है भाजपा की सरकारें : सुशील कुमार

एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत अंबिकापुर पहुंचे बिहार-औरंगाबाद के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, और देशभर से कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से भाजपा की सरकार बनी है। हमारी सरकारें जनसमृद्धि को समर्पित हैं। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में विकास के कार्य लगातार हो रहे हैं। हम समृद्ध भारत के संकल्प को पूर्ण कर रहे हैं। इस बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा हमेशा समाज के समग्र विकास की चिंता करती है। इस नाते एक-दूसरे से हम सब जुड़े होते हैं। हर ऐसे अवसर पर कार्यकर्ता चुनावी समर में अपनी भूमिका दूसरे राज्यों में भी जा कर निभाते हैं।

मुद्दा विहिन हो चुकी है कांग्रेस : अजय चन्द्राकर

भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता अजय चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों पर जारी कार्रवाई जारी है। इसे लेकर कांग्रेस व्यथित है। पूरे देश में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में जनसांख्यिकीय संतुलन बुरी तरह बिगड़ा है। इसमें असम और प. बंगाल प्रमुख हैं, जहाँ घुसपैठिये सीमा पार करके आ रहे हैं। इनमें उत्तर-पूर्व के कुछ राज्य भी प्रभावित हैं। अब ये घुसपैठिये देशभर में फैल रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में घुसपैठियों की बसाहट पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिन लोगों ने छत्तीसगढ़ में चिह्नित व पकड़े गए हैं व घुसपैठियों के कागजात-दस्तावेज बनाए, उनके बारे में जनता को बताना प्रशासन की जिम्मेदारी है कि ये कागजात किसके कार्यकाल में किन अधिकारियों ने बनाए? चन्द्राकर ने कहा कि अब कांग्रेस के लिए घुसपैठ करके जनसांख्यिकीय असंतुलन पैदा करना वोट-बैंक के समान है, राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं है।

शहीदों को सादर नमन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव एवं भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दरभा जनपद पंचायत के झीरम घटनास्थल पहुंच शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। 12 वर्ष पूर्व 25 मई 2013 झीरम में माओवादियों द्वारा हमले में तत्कालीन शीर्ष नेतागणों एवं सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुई थी। झीरम धटना स्थल पहुंचकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री देव ने श्रद्धांजलि अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री देव कहा कि बस्तर डबल इंजन सरकार की नेतृत्व में धीरे-धीरे नक्सली मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

एकात्म मानववाद दर्शन के हुए 6 दशक : संतोष पांडेय

एकात्म मानववाद दर्शन के 60 वर्ष पूर्ण होने पर दिल्ली में आयोजित एकात्म मानववाद दर्शन पर केंद्रित कार्यशाला में भाजपा सांसद संतोष पांडेय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल शामिल हुआ। सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि एकात्म मानववाद के 60 वर्ष पूर्ण होने पर इस कार्यशाल का आयोजन किया गया था। जहां एकात्म मानववाद दर्शन पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों के वैचारिक सिद्धांतों पर चलकर हम समृद्ध राष्ट्र की परिकल्पना को पूर्ण कर रहे हैं। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समूचा राष्ट्र एकसूत्र में बधा है।

सादर नमन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माँ भारती के वीर सपूत, स्वतंत्रता संग्राम के महानायक 'स्वातंत्र्यवीर' विनायक दामोदर सावरकर जी को उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री निवास में वीर सावरकर जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर श्री साय ने कहा कि देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता के लिए उनका योगदान अद्वितीय है। उनका समर्पण और त्याग देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा।

खुद को बचाने में जुटी है कांग्रेस : केदार कश्यप

छत्तीसगढ़ के वन और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की मौजूदगी में हुई कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली को लेकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान के नाम पर "सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली" की कहावत को चरितार्थ कर रही है। कांग्रेस संविधान के नाम पर झूठा नैरेटिव सेट करके देश को बरगलाने की लाख कोशिश कर ले, लेकिन कांग्रेस के नितांत संविधान व लोकतंत्र विरोधी राजनीतिक चरित्र से वाकिफ देशवासी अब कांग्रेस के इस झाँसे में कतई नहीं आने वाले हैं। संविधान बचाने के नाम पर कांग्रेस मिथ्या प्रलाप कर रही है, जबकि कांग्रेस के शासनकाल में ही संविधान का सबसे ज्यादा मखौल उड़ाया गया। इससे अधिक शर्मनाक कृत्य और क्या हो सकता है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासनकाल में देश पर आपातकाल थोपकर न केवल मूल नागरिक अधिकारों व प्रेस की स्वतंत्रता का गला घोंटा गया था।

संकल्प से समृद्धि के लिए जुटे हैं : रजनीश

पूर्व विधायक व संकल्प से समृद्धि अभियान के प्रदेश प्रभारी रजनीश सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 11 वर्षों के ऐतिहासिक कार्यों का लेखा जोखा लेकर कार्यकर्ता आम जनमानस के बीच जा रहा है। लाभार्थियों को योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है। निश्चित ही इन 11 वर्षों में देश के साथ प्रदेश का समग्र विकास हुआ है। जिसे केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तय अभियान के तहत पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। इस अभियान को जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। भाजपा के प्रति हमेशा सबके मन में एक जो भाव है। वह हमें इस अभियान के दौरान भी देखने को मिल रहा है। पूरे प्रदेश में प्रत्येक कार्यकर्ता अभियान से जुड़कर मोदी जी के मिशन को सफल करने में जुटा है।

राजनीति कर रही कांग्रेस : केदार गुप्ता

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस हमेशा भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करने वाली पार्टी के रूप में अपना अलग पहचान बना चुकी है। यही कारण है कि जब जांच एजेंसी कांग्रेस के कारनामों का खुलासा करती है तब कांग्रेसी भ्रम की राजनीति में जुट जाते हैं। भाजपा पर सवाल करने का कोई अधिकार कांग्रेस को कभी नहीं रहा है। जिस भ्रष्टाचार की कमाई से कांग्रेसी अपना घर भरते थे अब उसी पैसे से अपना कार्यालय भी बना रहे हैं। जिसके खुलासे के बाद कांग्रेस का कूनबा पूरी तरह से हताश और परेशान है। उन्हें बताना चाहिए कि जिस कार्यालय का निर्माण सुकमा में किया गया था। वह किसके पैसे से हुआ?

नक्सली उन्मूलन से कांग्रेस व्यथित : संजय श्रीवास्तव

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में चले नक्सल-विरोधी ऑपरेशन में हार्डकोर नक्सली बसव राजू समेत 27 नक्सलियों के मारे जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित पूरी कांग्रेस नक्सलवाद के सफाए से व्यथित है। कांग्रेस हमेशा सेना और सुरक्षा बलों पर शक करती है एवं सुरक्षा बलों का मनोबल कमतर करने का काम करती रहती है। नक्सलवाद पर पूर्व मुख्यमंत्री बघेल और कांग्रेस नेता लगातार शर्मनाक टिप्पणियाँ कर रहे हैं और इनके आका नक्सलियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई रुकवाने के लिए लगातार एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन से कांग्रेस के लोग जिस तरह छाती पीट रहे हैं, वह यकीनन शर्मनाक है। कांग्रेसियों को तो इस बात पर खुश होना चाहिए कि झीरम नक्सली हिंसा के पीड़ितों को न्याय मिल रहा है।

वक्फ बिल पर हुआ कार्यशाला

भाजपा जशपुर जिला द्वारा वक्फ संशोधन बिल को लेकर एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्री रायमुनी भगत, भाजपा जिला अध्यक्ष भरत सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री नरेश नंदे, तथा वक्फ जनजागरण अभियान जिला समिति के सदस्य एवं पार्षद फैज़ान सरवर खान ने अपने विचार व्यक्त किए। विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि वक्फ संपत्तियाँ वर्षों से उपेक्षा और भ्रष्टाचार का शिकार रही हैं। संशोधन बिल 2025 इन संपत्तियों के पारदर्शी और न्यायपूर्ण प्रबंधन का रास्ता खोलता है। जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि यह बिल किसी धर्म या समुदाय के विरोध में नहीं है, बल्कि यह सभी वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा, पारदर्शिता और सही इस्तेमाल के लिए एक आवश्यक सुधार है।

कांग्रेस अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है : साहू

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस हमेशा तथ्य परख बाते करने से बचती है। इस दल में केवल भ्रम फैलाओ अभियान को ही प्राथमिकता दिया जाता है। जिससे कि समाज में भ्रम फैलाकर उसका राजनीतिक लाभ लिया जाए। देश की जनता समझ चुकी है कि कांग्रेस ने हमेशा सत्ता के आनंद के लिए लोकतांत्रिक शक्तियों का दुरुपयोग किया है। इस कारण ही कांग्रेस को हमेशा जनता के नकारा है। जब छत्तीसगढ़ में भाजपा विकास योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सफल हो रही है। तब कांग्रेस केवल अपने अस्तित्व को बचाने के लिए कथित अभियानों का सहारा ले रही है, जिसे जनता भली-भाति समझ चुकी है।

बस्तर विकास का द्वार खुलेगा : टेकाम

केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि केशकाल फोरलेन बाइपास निर्माण की घोषणा से बस्तर की जनमानस में हर्ष का वातावरण है। केशकाल घाट में यातायात सुविधाएं आने वाले दिनों में अब बेहतर होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी सहित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार माना है। उन्होंने इसे बस्तर के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला बताया है। केंद्र व राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से बस्तर को यह भागीरथी केशकाल घाट फोरलेन मिला है। इससे बस्तर में पर्यटन व सुगम यातायात को लेकर आने वाले दिनों में अहम कार्य होंगे।

अंत्योदय यात्रा के सहभागी थे शिवप्रताप सिंह

1 मई 1942

29 नवंबर 2014

अंबिकापुर संभाग के सोनपुर जिला में जन्में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्व. शिवप्रताप सिंह हमेशा सामाजिक जीवन में अन्त्योदय की स्थापना को लेकर समर्पित रहे हैं। उनका समग्र जीवन एक वंचितों के लिए कुछ करना था इसलिए बिना रूके व बिना थके सदैव मानव कल्याण के लिए जुटे रहे। उनका जन्म एक मई 1942 को हुआ था। उनकी शिक्षा दीक्षा गांव में हुई। उनका सदैव झुकाव समाज के हर वर्ग का उत्थान रहा। यही कारण है कि निरंतर वे राष्ट्रवादी विचारों के साथ जुड़ कर समाज में परिवर्तन कार्यों के लिए जुटे रहे हैं। 1977 में वे पहली बार विधायक निर्वाचित होकर अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा का प्रतिनिधित्व किया। 1993 में फिर से विधायक निर्वाचित होकर पटवा सरकार में आदिमजाति कल्याण विभाग के राज्य मंत्री बनाए गये। इसके उपरांत 2003 में छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रतिनिधि चुने गये। 1990 में भाजपा सरगुजा जिला के उपाध्यक्ष, 1992 में सरगुजा भाजपा जिलाध्यक्ष बनाए गये। इसके उपरांत 1993 में अविभाजित मध्यप्रदेश के भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य बने। इसके साथ ही 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य अलग होने के उपरांत वे छत्तीसगढ़ प्रदेश महामंत्री बनाये गये। वे 2004 से 2006 तक प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बनाये गये और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राज्यसभा में (10 अप्रैल 2008 से 9 अप्रैल 2014) भी किये। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन के प्रमुख होने का उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके साथ ही 2004 में सभापति-पुस्तकालय समिति, छ.ग. विधानसभा एवं अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़े वर्ग के कल्याण संबंधी समिति छ.ग. विधानसभा सदस्य तथा छत्तीसगढ़ भाजपा में उपाध्यक्ष रहे। उनका निधन 29 नवंबर 2014 को हो गया।

उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण से पहले छत्तीसगढ़ निर्माण को लेकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर संवेदनशील रहे। उन्होंने अम्बिकापुर सरगुजा संभाग के विकास को लेकर हमेशा प्रयत्नशील रहे यही कारण है कि आज विकसित अम्बिकापुर के स्वरूप को हम देख सकते हैं। |•••

> *"वे सबके लिए प्रेरणादायी रहे हैं। संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए उनका योगदान कभी भूलाया नहीं जा सकता है। अंबिकापुर सहित पूरे प्रदेश के विकास की तस्वीर बदलने में उनकी भूमिका अग्रणी रही है। वे सदैव हम सबके पालक के तौर पर हमारे विचारों में रहेंगे। उनके बताये मार्ग पर चलकर विकसित छत्तीसगढ़ के सपनों को पूरा करना है।"*
>
> **-अनुराग सिंहदेव,**
> **अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ गृहनिर्माण मंडल**

पत्रिका दीप कमल के वाट्सएप समूह से जुड़ने व ई-पत्रिका प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्केन करें।

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं। फोन या मोबाइल नंबर पर भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर डूमरतराई, रायपुर। (छत्तीसगढ़), मोबाइल नं. : 92016-33511, फोन : 0771-2233500
Email : mydeepkamal@gmail.com

समृद्धि और विकास के 11 साल

RNI No.CHHHIN/2004/13926

डाक पंजी. क्रमांक : छ.ग./रायपुर संभाग/78/2023-25

Photo of The Month